गैरसैंण, सोमवार
8 दिसम्बर 2025
वर्षः 17
अंकः 203 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

वीकेंड पर फिर रंग–बिरंगी राफ्टों से गुलजार दिखी गंगा

ऋषिकेश। मौसम में ठंडक भी राफ्टिंग की शौकीनों के पांव नहीं थाम पा रही है। गंगा की लहरों पर रोमांच का लुत्फ उठाने के लिए मुनिकीरेती में पर्यटकों का जमघट लग रहा है, जिससे राफ्टिंग पर निर्भर कारोबारियों के चेहरे भी खिले हुए हैं। उन्हें सर्दी के सीजन में भी अच्छा कारोबार होने की उम्मीद है। रविवार को ईको टूरिज्म जोन कौड़ियाला–मुनिकीरेती में राफ्टिंग के लिए हर वीकेंड तरह दिल्ली, एनसीआर, यूपी, हरियाणा और आसपास के राज्यों से पर्यटक जुटे। सुबह से लेकर दोपहर तक वह मुनिकीरेती और तपोवन क्षेत्र में कंपनियों के बुकिंग कार्यालयों में जुटे दिखे, तो कई ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से भी पहुंचे, जिसके चलते पीकअप प्वाइंट खारास्त्रोत में पर्यटकों की दिनभर चहल–पहल रही। शिवपुरी से लेकर खारास्त्रोत तक उन्होंने राफ्टिंग करते हुए गंगा की लहरों पर रोमांच का आनंद लिया। वीकेंड पर पर्यटकों की भीड़भाड़ से न सिर्फ राफ्टिंग कारोबारी, बल्कि होटल, रेस्टोरेंट और अन्य कारोबारियों के चेहरों पर भी मुस्कान दिखी। पर्यटन कारोबारी वैभव थपलियाल ने बताया कि मौसम में काफी दिनों से ठंडक अधिक महसूस की जा रही है, मगर साहसिक पर्यटन के शौकीन पर्यटकों के लिए यह ठंड शायद कुछ भी नहीं है। पिछले वर्षों की तुलना में इस साल सर्दी में सीजन में पर्यटकों की संख्या अधिक दिख रही है। वहीं, साहसिक पर्यटन अधिकारी जसपाल सिंह चौहान ने बताया कि रविवार को 567 पर्यटकों ने राफ्टिंग की। बरसात के बाद शुरू हुए दूसरे सीजन में 30 हजार से अधिक पर्यटक राफ्टिंग कर चुके हैं।

खबडोली और ओखलसों के जंगल धधके

बागेश्वर। ओलखसों और खबडोली का जंगल रविवार को धू–धूकर जलता रहा। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार पिछले दो दिन से लगातार आग सुलग रही है, लेकिन वन विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे क्षेत्रवासियों में गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि जाड़ों में यदि इस तरह जंगल जलते रहे तो गर्मियों में स्थिति पूरी तरह बेकाबू हो सकती है। उनका कहना है कि सूचना देने के बावजूद विभाग ने मौके पर टीम नहीं भेजी। आग फैलाने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग भी ग्रामीणों ने उठाई है। उन्होंने कहा कि यदि विभाग टीम भेजे तो ग्रामीण स्वयं भी आग बुझाने में सहयोग करेंगे। स्थानीय प्रकृति प्रेमी बबूल जोशी ने चेताया कि 15 फरवरी से फायर सीजन शुरू होगा। ऐसे में यदि अभी से स्थिति पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो वन्यजीव, जैव विविधता तथा जड़ी–बूटियां गंभीर संकट में आ सकती हैं। उन्होंने अराजक तत्वों पर सख्त कार्रवाई पर जोर दिया। उधर, प्रभागीय वनाधिकारी आदित्य रत्न ने कहा कि विभागीय टीम को आग बुझाने के निर्देश जारी कर दिए हैं और कर्मचारी जंगल में गश्त कर रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि आग लगाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नौंवी की छात्रा से दुष्कर्म में फरार 25 हजारी इनामी पंजाब में दबोचा

देहरादून। नौवीं कक्षा की नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी को एसटीएफ ने पंजाब के मोहाली से धर दबोचा। आरोपी पिछले दो साल से फरार चल रहा था। वह मोहाली में कबाड़ के गोदाम में काम कर रहा था। एसटीएफ एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि यह मामला हरिद्वार के रानीपुर कोतवाली क्षेत्र का है। वर्ष 2024 में आरिफ पुत्र कल्लू निवासी बटोली, कानपुर देहात के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरिफ रानीपुर क्षेत्र में ई–रिक्शा चलाता था। उसने स्कूल जाने वाली नौंवी क्लास की एक नाबालिग बच्ची को अगवा किया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना को अंजाम देने के बाद से ही वह लगातार फरार चल रहा था। फरार इनामी की गिरफ्तारी को एसटीएफ से टीम बनाई गई। जांच के दौरान पता चला कि शातिर अपराधी आरिफ पंजाब में किसी कबाड़ के गोदाम में काम कर रहा है। इंस्पेक्टर यादविंदर बाजवा के साथ पहुंची टीम ने सप्ताह तक मोहाली में डेरा डाले रखा और मैन्युअल तरीके से काम किया। बलौंगी और मोहाली क्षेत्र के कबाड़ गोदामों में काम कर रहे मजदूरों का सत्यापन किया।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सवाड़ (चमोली) में मुख्यमंत्री धामी की महत्वपूर्ण घोषणाएँ

- थराली व नंदानगर में दो मिनी स्टेडियम निर्माण को मिली मंजूरी
- सवाड़ का अमर शहीद सैनिक मेला राजकीय मेला घोषित करने की घोषणा
- सैनिक स्मृति संग्रहालय में वीर शहीदों को श्रद्धांजलि, ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख
- मुख्यमंत्री ने कहा–यूसीसी लागू कर जनता से किया वादा पूर्ण, देवभूमि की सुरक्षा सर्वोपरि

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर रविवार को सवाड़, चमोली पहुँचे, जहाँ क्षेत्रवासियों, पूर्व सैनिकों तथा उनके परिजनों द्वारा उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सहभागिताओं के बीच मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णयों और घोषणाओं को साझा किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की कि ग्वालदमझ्रदेवालझ्रवाण मोटर मार्ग को नंदा देवी राजजात के आयोजन के उपरांत बीआरओ को सौंपने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी, जिससे भविष्य में सड़क की गुणवत्ता, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर हो सकेगी। इसी प्रकार रामपुर तोर्ती को कुमाऊंक्षेत्र से जोड़ने वाली सड़क के निर्माण को भी सरकार की प्राथमिकता बताया गया। मुख्यमंत्री द्वारा थराली के तलवाड़ी तथा नंदानगर के लांखी क्षेत्र में मिनी स्टेडियम निर्माण को स्वीकृति दिए जाने का भी उल्लेख किया गया, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए खेल सुविधाएँ और अवसरों का विस्तार हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने अमर शहीद सैनिक मेला सवाड़ को राजकीय मेला करने की घोषणा भी की, जिसकी स्थानीय जनता और पूर्व सैनिक समाज की लंबे समय से प्रतीक्षा थी। यह निर्णय क्षेत्र में वीर सैनिकों की गौरवशाली परंपरा को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सवाड़ स्थित सैनिक स्मृति संग्रहालय का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री ने देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने 18वें अमर शहीद सैनिक मेला के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सवाड़ की धरती हमेशा राष्ट्रभक्ति, समर्पण और शौर्य की मिसाल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं सैनिक परिवार से आते हैं, और इस वीरभूमि में पहुंचकर उनके मन में अपने पिता द्वारा सुनाई गई अनेक वीरगाथाओं की स्मृतियाँ ताज़ा हो उठीं। उन्होंने कहा कि सवाड़ गांव के वीर जवानों ने सदैव राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अप्रतिम त्याग किया है, जिसकी पहचान पूरे भारतवर्ष में है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना और रक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार देखने को मिले हैं। जहाँ एक समय भारत रक्षा उपकरणों के लिए विदेशों पर निर्भर था, वहीं अब देश कई महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों का निर्यात करने वाले अग्रणी राष्ट्रों में शामिल हो चुका है।

जीजा के निधन के बाद बहन से मिलने पहुंचे योगी आदित्यनाथ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कोटद्वार पहुंचकर गाड़ीघाट में अपनी दीदी के परिवार से मुलाकात की। इससे पूर्व उन्होंने श्री सिद्धबली मंदिर में पहुंचकर बाबा का आशीर्वाद लिया। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए सिद्धबली को जाने वाले मार्ग व गाड़ीघाट को जाने वाले मार्ग पर चप्पे–चप्पे पर पुलिस तैनात की गई थी।

दरअसल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बहन कौशल्या देवी अपने परिवार के साथ कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत गाड़ीघाट में निवास करती है। दो दिसंबर को कौशल्या के पति ओमप्रकाश रावत का निधन हो गया था।

ऐसे में एक दिन पूर्व ही प्रशासन को सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी बहन से मिलने कोटद्वार पहुंचेगे। इसके बाद प्रशासन की टीम मुस्तैद हो गई थी। रविवार सुबह सिद्धबली मंदिर में पुलिस व प्रशासन की टीम ने माकड्रील किया। करीब एक बजे ग्रास्टनगंज स्थित हेलीपेड से श्री सिद्धबली मंदिर को जाने वाले मार्ग को बंद कर दिया गया। लगभग ढाई बजे योगी आदित्यनाथ का हेलीकाप्टर ग्रास्टनगंज में पहुंचा। इसके बाद वह कार से सिद्धबली मंदिर में पहुंचे। जहां श्री सिद्धबली मंदिर के महंत दिलीप सिंह रावत ने पुष्प गुच्छ देकर योगी आदित्यनाथ का स्वागत स्वागत किया। इसके उपरांत योगी आदित्यनाथ ने बाबा के दरवार में माथा टेका और कार से गाड़ीघाट स्थिति अपनी बहन कौशल्या देवी के आवास में पहुंचे।

कोटद्वार के श्री सिद्धबली मंदिर में पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दर्दनाक हादसा : गोवा के नाइट क्लब में लगी भीषण आग, 25 लोग जिंदा जले

पणजी ,गोवा में अरपोरा के नाइट क्लब में शनिवार दरमियानी रात भीषण आग लग गई, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जांच के आदेश दिए। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि आज गोवा में हम सभी के लिए बहुत दुखद दिन है। मैं बहुत दुखी हूं और इस असहनीय नुकसान की घड़ी में सभी पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री ने इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया।

सीएम ने कहा कि यह पता लगाया जाएगा कि आग से सुरक्षा के नियमों और बिल्डिंग नियमों का पालन किया गया था या नहीं। जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी लापरवाही से सख्ती से निपटा जाएगा।मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अरपोरा में हुई दुखद आग की घटना के बारे में उनसे बात की और उन्होंने प्रधानमंत्री को जमीनी हालात के बारे में बताया। गोवा सरकार इस मुश्किल समय में प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद दे रही है। कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी गोवा हादसे पर दुख जताया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, गोवा के आरपोरा में आग लगने से हुई मौतों का हादसा बहुत दुखद है। लोकल एडमिनिस्ट्रेशन बचाव और राहत काम कर रहा है और प्रभावित लोगों को जरूरी देखभाल दे रहा है। जिन लोगों की जान गई है, उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा, गोवा के अरपोरा में आग लगने से हुई मौतों से बहुत दुख हुआ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। घायल लोग जल्द ठीक हों।

कार खाई में गिरने से टीला के दो युवकों की मौत

पौड़ी। पैठाणी–स्योली मोटरमार्ग पर शनिवार की रात को एक कार के स्योली मल्ली के पास अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरने से टीला गांव के दो युवकों की मौत हो गई। जबकि इसी गांव के दो लोगों समेत चार अन्य घायल हो गए। ये सभी लोग शनिवार को बूंखाल मेले से वापस अपने घरों को आ जा रहे थे। घायलों को पैठाणी में उपचार के बाद श्रीनगर के लिए रेफर किया गया। प्रथम दृष्टा हादसे की वजह का पता नहीं चल पाया है। पुलिस के मुताबिक घायलों से पूछताछ के बाद कुछ जानकारी जुटाई जाएगी। थाना पैठाणी के प्रभारी सुनील सिंह रावत ने बताया कि शनिवार को एक कार स्योली मल्ली के पास अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। स्थानीय ग्रामीणों ने ही इस हादसे की जानकारी दी। मौके पर स्योली और टीला के ग्रामीणों के सहयोग से रेस्क्यू किया गया और घायलों को खाई से निकाला। हादसे में टीला निवासी वीरेंद्र सिंह 23 साल पुत्र सरदार सिंह और संतोष सिंह 35 साल पुत्र रघुवीर सिंह की मौत हो गई। जबकि टीला गांव निवासी वीरेंद्र सिंह और सोहन सिंह सहित सखरोडी जिला रुद्रप्रयाग निवासी वीरेंद्र सिंह और सिताब सिंह घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार पैठाणी में देने के बाद बेस अस्पताल श्रीनगर के लिए रेफर किया गया।

माता वैष्णो देवी भक्तों के लिए खुशखबरी

अब रात 12 बजे तक कटरा स्टेशन पर मिलेगा आरएफआईडी कार्ड

कटरा ,मां वैष्णो देवी के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाएँ बढ़ाने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा पंजीकरण की समय–सारणी में बदलाव किया है। अभी तक सभी यात्रा पंजीकरण केंद्रों पर श्रद्धालुओं को सुबह 4 बजे से रात 10 बजे तक ही आरएफआईडी यात्रा कार्ड मिलता था, जिसके बाद ही वे यात्रा शुरू कर सकते थे। बिना आरएफआईडी कार्ड के माता वैष्णो देवी यात्रा की अनुमति नहीं है, जिसके कारण देर रात आने वाले श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। इन समस्याओं को देखते हुए श्राइन बोर्ड ने समय–सारणी में परिवर्तन किया है। नए आदेश के अनुसार कटरा रेलवे स्टेशन परिसर स्थित यात्रा पंजीकरण केंद्र पर अब सुबह 5 बजे से रात 12 बजे तक आरएफआईडी यात्रा कार्ड उपलब्ध रहेगा। दर्शनी डियोड़ी प्रवेश द्वार पर देर रात ऑनलाइन यात्रा पर्ची लेकर आने वाले श्रद्धालु और देर रात आने वाली ट्रेनों से पहुंचने वाले यात्री अपने ट्रेन टिकट और ट्रेन का नाम बताकर तुरंत आरएफआईडी कार्ड प्राप्त कर सकेंगे। नए ताराकोट मार्ग पर स्थित पंजीकरण केंद्र पर श्रद्धालुओं को 24 घंटे आरएफआईडी यात्रा कार्ड उपलब्ध होगा, चाहे उनके पास ऑनलाइन यात्रा पर्ची हो या वे तत्काल सेवा लेना चाहें। कटरा मुख्य बस अड्डा और अंतरराज्यीय बस अड्डे पर स्थित दोनों पंजीकरण केंद्रों के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यहाँ पहले की तरह सुबह 4 बजे से रात 10 बजे तक आरएफआईडी कार्ड जारी किए जाएंगे। कटरा हेलीपैड पंजीकरण केंद्र पर यात्रियों को हेलीकॉप्टर सेवा के समय के दौरान ही, अर्थात सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक, आरएफआईडी कार्ड मिलेंगे। जम्मू रेलवे स्टेशन के पास स्थित वैशणवी भवन और जम्मू एयरपोर्ट के यात्रा पंजीकरण केंद्रों की समय–सारणी में भी कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। दोनों स्थानों पर सुबह 5 बजे से रात 10 बजे तक कार्ड जारी किए जाएंगे। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड का यह नया आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। प्रशासन का कहना है कि इन बदलावों का उद्देश्य श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाना है, ताकि देर रात यात्रा पर आने वाले यात्रियों को कोई परेशानी न हो। साथ ही श्राइन बोर्ड कटरा के चिंतामणि मंदिर क्षेत्र में भी एक नया पंजीकरण केंद्र खोलने की तैयारी कर रहा है, जहाँ आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं को यात्रा पंजीकरण की सुविधा मिल सकेगी।

हवाई यात्रा करने वालों को बड़ी राहत, इंडिगो की 1500 उड़ानें होंगी संचालित, एयरलाइन ने जारी किया बयान

नई दिल्ली ,इंडिगो एयरलाइन बीते पांच दिनों से गंभीर परिचालन संकट का सामना कर रही है, जिसके कारण बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द हुईं और हजारों यात्रियों की यात्रा प्रभावित हुई। हालात गंभीर होने पर विमानन नियामक ने सख्त कार्रवाई करते हुए इंडिगो के पीटर एल्बर्स और अकाउंटेबल मैनेजर इसिड्रो पोर्केरास को कारण बताओ नोटिस जारी किया और 24 घंटे में स्पष्टीकरण देने को कहा। नोटिस में कहा गया है कि उड़ानों में भारी देरी और रद्दीकरण से स्पष्ट होता है कि एयरलाइन अपनी योजना, निगरानी और संसाधन प्रबंधन में अपेक्षित मानकों को पूरा नहीं कर पाई।

नियामक का मानना है कि उड़ानों में हुई अव्यवस्था की मुख्य वजह (फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन) के नए नियमों को लागू करने के लिए समय पर आवश्यक तैयारी न होना है।

इसी दौरान, इंडिगो ने अपने आधिकारिक बयान में स्वीकार किया कि नेटवर्क को स्थिर करने के लिए बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। एयरलाइन के अनुसार, शुक्रवार को उन्होंने 700 से कुछ अधिक उड़ानें संचालित कीं, जो 113 गंतव्यों को जोड़ती हैं। कंपनी ने कहा कि यह कदम सिस्टम, रोस्टर और नेटवर्क संचालन को संतुलित करने के लिए आवश्यक था ताकि अगले दिन स्थिति सामान्य हो सके। एयरलाइन ने बताया कि रविवार को वे 1,500 से ज्यादा उड़ानें संचालित कर रहे हैं और उनका लगभग 95 प्रतिशत नेटवर्क फिर से बहाल हो चुका है। इंडिगो का कहना है कि वे 138 में से 135 गंतव्यों पर सेवाएं फिर से शुरू कर चुके हैं।

यात्रियों से माफी मांगते हुए एयरलाइन ने कहा कि उन्हें अभी काफी सुधार की जरूरत है, लेकिन वे ग्राहकों का विश्वास वापस पाने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। कंपनी ने यात्रियों और कर्मचारियों का सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया। इसी क्रम में, नागरिक उड्डयन मंत्री के रममोहन नायडू ने एयरलाइन के ष्टश्वह्र के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर स्थिति का आकलन किया। मंत्रालय ने इंडिगो को निर्देश दिया है कि भविष्य में इस तरह की अव्यवस्था न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

भीषण सड़क हादसा : तेज रफ्तार कार ट्रेलर से टकराई, एक ही गांव के पांच लोगों की मौत

जशपुर ,छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। एनएच–43 पर पतराटोली के पास एक तेज रफ्तार कार खड़े ट्रेलर से जा टकराई, जिसमें कार सवार 5 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना दुलदुला थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के अनुसार, सभी युवक एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होकर देर रात घर लौट रहे थे। घर पहुंचने की जल्दी और सुनसान सड़क होने की वजह से कार तेज रफ्तार में थी। इसी बीच ट्रेलर दिखाई देने पर चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सीधी ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और युवक अंदर ही फंस गए। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक सभी की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख–पुकार मच गई और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ,केंद्रीय मंत्रियों ने किया जवानों को सलाम

नई दिल्ली , देश में रविवार को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के वीर जवानों के सम्मान में मनाया जाता है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्रियों ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं और भारतीय सशस्त्र बलों के वीर कर्मियों को उनके बेजोड़ साहस, वीरता और धैर्य के लिए सलाम किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर, मैं हमारे सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान को सलाम करता हूं। उनका साहस हमारे राष्ट्र की रक्षा करता है और उनकी निस्वार्थ सेवा हमें उस ऋण की याद दिलाती है जिसे हम कभी नहीं चुका सकते। मैं सभी से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने का आग्रह करता हूं। आपका समर्थन उनके समर्पण का सम्मान करता है और उन लोगों को मजबूत बनाता है जो हमारी रक्षा करते हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जय हिंद की सेना, सशस्त्र बल ध्वज दिवस पर, हम अपने बहादुर सैनिकों, उनके बलिदान और हमारे राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अटूट प्रतिबद्धता का सम्मान करते हैं।

मोदी जी, मुझे इंसाफ चाहिए पाकिस्तानी महिला ने पीएम से किस मामले में लगाई गुहार?

कराची , सीमा पार से एक बार फिर एक महिला की दर्दभरी पुकार भारत पहुंची है, लेकिन इस बार मामला प्यार का नहीं, बल्कि धोखे और फरेब का है। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के कराची की रहने वाली निकिता नागदेव का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हाथ जोड़कर इंसाफ की गुहार लगा रही हैं। निकिता का आरोप है कि उनके पति विक्रम नागदेव ने धोखे से उन्हें पाकिस्तान वापस भेज दिया और अब वह दिल्ली में गुपचुप तरीके से दूसरी शादी रचाने की तैयारी कर रहे हैं। निकिता के मुताबिक, उनकी शादी 26 जनवरी 2020 को कराची में हिंदू रीति–रिवाजों से विक्रम नागदेव के साथ हुई थी। विक्रम मूल रूप से पाकिस्तानी हैं, लेकिन लंबे समय से वीजा पर भारत के इंदौर में रह रहे हैं। शादी के एक महीने बाद ही विक्रम उन्हें अपने साथ भारत ले आए थे। निकिता का आरोप है कि भारत आने के बाद उन्हें पता चला कि उनके पति का उनकी ही एक रिश्तेदार के साथ अवैध संबंध है। जब उन्होंने इसकी शिकायत अपने ससुर से की, तो उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि 'लड़कों के अफेयर होते रहते हैं, इसमें कुछ नहीं किया जा सकता। पीड़िता ने बताया कि 9 जुलाई 2020 को उनके पति ने वीजा में तकनीकी दिक्कत का बहाना बनाया और उन्हें अटारी बॉर्डर पर छोड़कर जबरदस्ती पाकिस्तान वापस भेज दिया। उसके बाद से विक्रम ने उन्हें वापस भारत बुलाने से साफ इनकार कर दिया और अब वह दिल्ली की एक लड़की से दूसरी शादी करने जा रहे हैं। निकिता ने भावुक होते हुए वीडियो में कहा कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला, तो महिलाओं का कानून पर से भरोसा उठ जाएगा।

भूकंप से दहली अमेरिका और कनाडा की धरती, 7.0 मापी गई तीव्रता, दहशत में आए लोग

अलास्का , अलास्का और कनाडा की सीमा के पास भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.0 आंकी गई है। अलास्का और कनाडा दोनों तरफ समुद्र से घिरे हैं। ऐसे में भूकंप के बाद सभी को सुनामी का डर सता रहा था, लेकिन अभी तक सुनामी की कोई भी चेतावनी जारी नहीं हुई है। अलास्का और कनाडा के अधिकारियों का कहना है कि यह भूकंप अलास्का और कनाडा के युकोन क्षेत्र की सीमा के पास देखने को मिला है। भूकंप की तीव्रता काफी तेज थी, लेकिन इससे किसी के हताहत होने की खबर नहीं मिली है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, अलास्का के जूनो से लगभग 230 मील (370 किलोमीटर) उत्तर–पश्चिम और युकोन के व्हाइटहॉर्स से 155 मील (250 किलोमीटर) की दूरी पर भूकंप आया था। व्हाइटहॉर्स की रॉल कैनेडियन माउंटेड पुलिस सार्जेंट कैलिस्टा मैकलियोड ने बताया, भूकंप के बाद 911 पर फोन आया। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि सभी ने इन्हें महसूस किया।

चुनाव हारते ही तेज प्रताप की मुश्किलें बढ़ीं

पटना ,राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद अब उनके सामने एक नई मुसीबत खड़ी हो गई है। पटना के बेउर स्थित उनके निजी आवास के बिजली बिल को लेकर एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, तेज प्रताप यादव ने पिछले तीन साल से अपने इस घर का बिजली बिल नहीं भरा है, जिसके चलते अब उन पर बिजली कंपनी का 3.6 लाख रुपये से अधिक का बकाया हो गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, तेज प्रताप यादव भले ही विधायक होने के नाते लंबे समय से सरकारी बंगले में रह रहे हों, लेकिन बेउर में उनका एक निजी मकान भी है। बिजली विभाग के रिकॉर्ड बताते हैं कि इस मकान पर लगे कनेक्शन (कंज्यूमर खाता संख्या 101232456) का बिल जुलाई 2022 के बाद से जमा ही नहीं किया गया है। रिकॉर्ड के मुताबिक, आखिरी बार 20 जुलाई 2022 को उन्होंने करीब 1 लाख 4 हजार रुपये का भुगतान किया था। इसके बाद लगातार बिजली का उपयोग तो होता रहा, लेकिन बिल का भुगतान नहीं किया गया। अब बकाये की कुल राशि 3,24,974 रुपये हो गई है, जिसमें 23 हजार रुपये से ज्यादा का जुर्माना भी शामिल है। इस मामले में सबसे बड़ा सवाल बिजली विभाग की कार्यशैली और 'वीआईपी कल्चरइ पर उठ रहा है। बिजली कंपनी के नियमों के मुताबिक, पोस्टपेड कनेक्शन पर 25 हजार रुपये से ज्यादा का बकाया होने पर आम उपभोक्ता का कनेक्शन तुरंत काट दिया जाता है। लेकिन तेज प्रताप के मामले में विभाग ने गजब की दरियादिली दिखाई है। लाखों का बकाया होने के बावजूद तीन साल तक न तो उनकी बिजली काटी गई और न ही कोई सख्त कार्रवाई हुई।

सम्पादकीय

याद आई जनता जनार्दन

2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी लगता है अब शुरू हो चुकी है। खास तौर से जिस प्रकार पूरे प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी है और नेताओं का अपने क्षेत्र में दस्तक देना शुरू हुआ है वह कम से काम यही इशारे करती हैं। हालांकि चुनाव के बाद अपने क्षेत्र से नदारत रहने वाले विधायकों को खूब खरी खोटी भी सुनाई पड़ रही है तो कईयों को तो जनता ने उल्टे पैर ही विधानसभा क्षेत्र से चलता कर दिया। यह सीधे तौर पर दर्शाता है कि नेताओं को एक बार फिर चुनाव की चिंता होने लगी है और उन्हें अपने मतदाताओं की याद आने लगी है। हालांकि अभी लगभग एक साल से अधिक का समय चुनाव की तैयारी के लिए मिल सकता है लेकिन जनता भी है भांप चुकी है कि उनका जन प्रतिनिधि इन पांच वर्षों में उनके लिए कितना उपलब्ध रहा और क्या उसने अपने क्षेत्र के लिए किया है? अक्सर चुनाव जीतने के बाद नेता अपने क्षेत्र की जनता से दूरियां बनाने लगते हैं यहां तक कि विधायकों के कार्यालय या निवास पर जाने के बाद भी उनकी समस्या नहीं सुनी जाती। राजनीति में यह कोई नई बात नहीं है और एक बार जीतने के बाद अक्सर विधायक क्षेत्र की जनता को तुच्छ समझने लगते हैं, किंतु अब जनता जागरुक हो चुकी है और उसे अपने वोट की ताकत और उसे कैसे प्रयोग करना है इसके बारे में अच्छी तरह से जान चुकी है। उत्तराखंड में सत्ता पक्ष से जुड़े नेताओं की एक बड़ी संख्या है जो अपनी योग्यता की अपेक्षा भाजपा के बैनर एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर विधानसभा तक पहुंचे हैं। हो सकता है आगामी चुनाव में भी उन्हें इसका लाभ मिल सके लेकिन जनता से दूरी बनाए रखने का खामियाजा कहीं ना कहीं किसी न किसी स्तर पर उन्हें भुगतना ही होगा। कांग्रेस के लिए तो वैसे ही हाशिए के दिन चल रहे हैं। उत्तराखंड में मुद्दे तो वैसे ही नेताओं के पास नहीं है और जो मुद्दे हैं वह राज्य बनने के बाद से ही चले आ रहे हैं, उनका ना तो कभी पूर्ण रूप से समाधान हुआ और ना ही ऐसे मुद्दों का समाधान करने में चुने हुए विधायकों में कोई अधिक रुचि नजर आई है। 25 वर्षों से स्थाई राजधानी का मसाला जस का तस बना हुआ है, तो वहीं बुनियादी समस्याओं का तो मानो कोई अंत ही नहीं है। दिक्कत है कि एक बार चुने जाने के बाद विधायकों को लगता है की ऐन चुनाव के समय पर झूठ और लुभावने वादे कर जनता को बेवकूफ बना लेंगे, और कहीं ना कहीं भोली जनता नेताओं की लच्छेदार बातों और लुभावने सपनों में फंस भी जाती है। जनता की सेवा करने का एक बड़ा मौका विधायकों को मिलता है लेकिन विडंबना यह है की कई विधायकों को "विधायक निधि" भी पूरी तरह से प्रयोग में नहीं लाई जाती। इन परिस्थितियों में क्षेत्र की जनता अपने नेताओं से क्या उम्मीद कर सकती है? आने वाला चुनाव नेताओं से अधिक जनता की परीक्षा का चुनाव होगा जिसमें यह तय करना होगा की विधानसभा तक पहुंचने वाला नेता योग्यता के बल पर जाएगा या फिर राष्ट्रीय पार्टी के बैनर या फिर किसी बड़े नेता के चेहरे के नाम पर?

बाल विवाह मुक्त भारत की ओर अग्रसर

अन्नपूर्णा देवी

एक ऐसे देश में जहाँ महिलाएँ और बच्चे एक अरब से ज़्यादा जीवनों का आधार हैं, उनका सशक्तिकरण महज़ एक नीतिगत विकल्प नहीं है, बल्कि यह भारत की नियति का मार्ग है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी शासन में, भारत एक ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुज़र रहा है, जो वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को मानव–केंद्रित प्रगति के साथ जोड़ रहा है। नए भारत की कहानी केवल आर्थिक उपलब्धियों और बढ़ते वैश्विक कद में ही नहीं, बल्कि उन कक्षाओं में भी आकार ले रही है, जहाँ युवा मन विकसित होते हैं, उन आंगनवाड़ी केंद्रों में जहाँ हमारे बच्चों का पालन–पोषण होता है, और उन घरों में जहाँ आकांक्षाएँ पनपती हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के प्रति प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति बन गई है, जो विकसित भारतञ्च2047 के लिए हमारे सामूहिक मिशन को भी आगे बढ़ा रही है। इसी सफर में एक अहम पड़ाव पिछले वर्ष 27 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान शुरू हुआ है।

अपनी साहसिक और अटल दृष्टि के साथ, हमने वर्ष 2030 तक बाल विवाह को खत्म करने की अपनी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक बार फिर दोहराई है, ताकि हर बालिका और बालक सुरक्षित रूप से बड़े हो सकें, अपनी शिक्षा जारी रख सकें और गर्व तथा आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य को आकार दे सकें। शुरू से ही, हमने संपूर्ण सरकार और संपूर्ण समाज के नज़रिए को अपनाया है, लिहाज़ा हम मानते हैं कि इस चुनौती का हल महज़ नीतियों से नहीं किया जा सकता। इसके लिए सामूहिक एकता की ज़रुरत है, जिसमें परिवार, समुदाय, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता, संस्थान और सरकार कंधे से कंधा मिलाकर, सदियों पुरानी प्रथा को तोड़ने और हर बच्चे की आकांक्षाओं की रक्षा करने के लिए एक साथ खड़े हों। हमारे साझा संकल्प के एक शक्तिशाली प्रतिबिंब के रूप में, गाँवों और कस्बों के करोड़ों लोग बाल विवाह को समाप्त करने का संकल्प लेने के लिए आगे भी आए हैं।

बाल विवाह मुक्त भारत के लिए पूरी सरकार एकजुट

बाल विवाह हमारे देश में पीढ़ियों से चली आ रही सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह अक्सर उन समुदायों में दिखती है, जहाँ शिक्षा, संसाधनों और जागरूकता की सीमित पहुँच है। अभाव और असमान अवसरों के कारण पैदा हुई ये कमियाँ, इस प्रथा को जारी रखने में मदद करती हैं, जिससे अनगिनत बच्चे अपने उज्ज्वल भविष्य को साकार करने से वंचित रह जाते हैं।

वर्तमान में बेहतरी के लिए प्रयासः मोदी सरकार के तहत, हम उन जड़ों को खत्म कर रहे हैं, जिन्होंने कभी इस प्रथा को पोषित किया था। स्पष्ट नीतिगत दिशा, विचार विमर्श कर तैयार की गई योजनाओं और शासन में समुदायों के नए विश्वास के साथ, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय उन परिस्थितियों को खत्म करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिनके कारण बाल विवाह की प्रथा अब तक जारी रही। आज हम जो प्रगति देख रहे हैं, वह सुनियोजित ढंग से तैयार की गई योजनाओं की वजह से हैं, जिनके तहत महिलाएं और बच्चे राष्ट्रीय विकास के केंद्र में हैं।

हमारी नीतियां और पहल, संवेदनशील कारणों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हर अधिकार, देश के सबसे दूरस्थ गाँव और बस्तियों में सबसे कमजोर बच्चे के जीवन पर सकारात्मक असर डालते हुए अंतिम छोर तक पहुँचे। सरकार की हर

योजना महिलाओं और बच्चों को जोखिम के हर चरण में सहारा देने के लिए तैयार की गई है, ताकि अजन्मे बच्चे से लेकर किशोरी तक, उनके जीवन के हर चरण की सुरक्षा, प्राथमिकता और सशक्तिकरण हो।पोषण ट्रैकर और पोषण भी पढ़ाई भी से लेकर समग्र शिक्षा अभियान तक, और राष्ट्रीय साधन–सह–योग्यता छात्रवृत्ति कार्यक्रम से लेकर प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना तक, हर पहल एक सुरक्षा कवच और हर बच्चे के लिए एक सुरक्षित, सम्मानजनक और समान भविष्य की ओर एक मार्ग के रूप में कार्य करती है।

समावेशन के उत्प्रेरक के रूप में तकनीक की मदद से, मंत्रालय का प्रमुख डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, पोषण ट्रैकर, 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों को स्तनपान कराने वाली माताओं, छह साल से कम उम्र के बच्चों और किशोरियों से सहजता से जोड़ता है। इसने देश भर में 10.14 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के लिए एक मज़बूत सुरक्षा तंत्र तैयार कर दिया है। इस डिजिटल सक्षमता के साथ पोषण भी पढ़ाई भी, एक बदलावकारी प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा पहल के रूप में तैयार हुआ है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक पूर्व–प्राथमिक बच्चे को समग्र, उच्च–गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक प्रोत्साहन मिले, जो आजीवन सीखने की भावना की नींव रखता है।

हमारी नीतियाँ न केवल इरादे, बल्कि ज़मीनी स्तर पर कार्रवाई को भी दर्शाती हैं। निरंतर बजटीय प्रतिबद्धताओं और लक्षित निवेशों में सुधारों को शामिल करते हुए, मोदी सरकार ने यह साफ कर दिया है कि बाल विवाह जैसी गंभीर समस्याओं से बच्चों की रक्षा करना एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बनी हुई है। राष्ट्रीय साधन–सह–योग्यता छात्रवृत्ति कार्यक्रम, जिसके लिए केवल 2025–26 के लिए 1,827 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण स्कूल न छोड़े, जो बाल विवाह के सबसे अहम कारणों में से एक है। इस बीच, प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली युवतियों को ज़रुरी वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना ने युवाओं को उद्योग–संबंधित कौशल से लैस करके, उन्हें वित्तीय प्रोत्साहन और मान्यता प्राप्त सरकारी प्रमाणन प्रदान करके इस सुरक्षा कवच को और मज़बूत किया है। इसी प्रकार, प्रधानमंत्री–दक्ष योजना, हाशिए पर पड़े समुदायों, खासकर अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के युवाओं को सशक्त बनाती है, जो बाल विवाह के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं। उन्हें कौशल और अवसरों का लाभ देकर, हम समृद्ध और स्वतंत्र जीवन के मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नई मिसाल कायम कर रहे हैं।

प्रभावः बाल विवाह मुक्त भारत बनने के और नज़दीक

कुछ साल पहले तक, बाल विवाह को समाप्त करने का विचार दूर की कौड़ी, यहाँ तक कि असंभव नज़र आता था। लेकिन भारत ने इसके विपरीत साबित कर दिया है। स्पष्ट नीतियों, निरंतर कार्रवाई, केंद्रित जमीनी प्रयासों और मापयोग्य प्रगति के ज़रिए, हमने उस धारणा को चुनौती दी है और दिखाया है कि बदलाव न केवल मुमकिन है, बल्कि पहले से ही उसके प्रयास जारी हैं।

यह अभूतपूर्व बदलाव हज़ारों छोटी–बड़ी, सशक्त कोशिशों का नतीजा है। हमारे बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) इस मिशन की रीढ़ बनकर उभरे हैं। पिछले एक साल में ही, हमने देश भर में 37,000 से ज़्यादा सीएमपीओ नियुक्त करके अपनी अग्रिम पंक्ति को मज़बूत किया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सक्षम बनाकर, पंचायतों को सशक्त बनाकर और जिला प्रशासन को बाल संरक्षण कानूनों की जानकारी देकर, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सबसे वंचित परिवारों को भी सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए, बच्चों को वापस स्कूल लाया जाए और समुदायों को बाल विवाह के गंभीर उल्लंघन के बारे में जागरूक किया जाए।

अब तक, हमने 6,30,000 से ज़्यादा, स्कूल न जाने वाली लड़कियों की पहचान की है और उन्हें कक्षाओं में फिर से दाखिला दिलाया है।

चुप्पी से लेकर शिकायत तक, सामाजिक कलंक से लेकर समर्थन तक–भारत ने चुना बदलाव का रास्ताः आज, हम इस समस्या का हल अधिक सटीकता, पारदर्शिता और प्रभाव के साथ निकालने के लिए नवीनतम तकनीकी प्रगति की मदद ले रहे हैं। सार्वजनिक रूप से सुलभ, केंद्रीकृत मंच, बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल, इस प्रगति का प्रतीक है, जो देश भर के बाल विवाह निषेध अधिकारियों की जानकारी एक साथ लाता है, मामलों की रिपोर्टिंग के लिए एक प्रभावी तंत्र प्रदान करता है, और हितधारकों और नागरिकों के बीच जागरूकता को मज़बूत करता है।

पहली बार, बाल–विवाह–मुक्त भारत का सपना एक एकीकृत राष्ट्रीय मिशन के रूप में विकसित हुआ है। भारत सरकार का प्रत्येक अंग और समाज का प्रत्येक वर्ग इस साझा उद्देश्य और दृढ़ संकल्प के साथ मिलकर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, हम आज न केवल अपने बच्चों की सुरक्षा कर रहे हैं, बल्कि विकसित भारत की एक मज़बूत, आत्मविश्वासी और सशक्त नींव भी रख रहे हैं।जैसे–जैसे भारत बाल विवाह के खिलाफ अपनी सामूहिक लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ पर पहुँच रहा है, हम दुनिया के सामने एक नया मॉडल पेश कर रहे हैं, कि कैसे शासन और समुदाय मिलकर हर बच्चे की सुरक्षा के लिए काम कर सकते हैं और बाल विवाह के वैश्विक संकट को तत्काल और निश्चित रूप से खत्म कर सकते हैं। आखिरकार, ये बच्चे ही उस विकसित भारत के पथप्रदर्शक और सच्चे सारथी हैं, जिसका निर्माण हम सभी करना चाहते हैं।

पीएमजीएसवाई से बदला विकास का भूगोल

पहाड़ों, वनाच्छादित और दूरस्थ भौगोलिक स्थितियों के कारण लंबे समय तक संपर्कहीनता की समस्या से जूझता रहा एमसीबी जिला। कई गांव ऐसे थे जहां पहुंचना मौसम के भरोसे होता था। बरसात में सड़कें कट जाती थीं, लोग घरों में कैद हो जाते थे और रोगी, छात्र, किसान सभी कठिनाइयों का सामना करते थे।

ग्रामीण जीवन की धड़कन बनी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने इस जिले का भूगोल ही बदल दिया। आज मनेन्द्रगढ–चिरमिरी–भरतपुर जिले के अधिकांश गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं और जहां कार्य शेष है, वहां निर्माण युद्धस्तर पर जारी है। यहां सड़कों का जाल सिर्फ कंक्रीट या डामर का ढांचा नहीं है बल्कि यह गांवों की नई किस्मत है, ग्रामीण जीवन की धड़कन है और विकास की असली आधार है।

पहाड़ी रास्तों से पक्की सड़क तक—एक परिवर्तन की कहानी

एमसीबी जिले की ऊबड़–खाबड़ पहाड़ियों, दुरूह घाटियों और गहरे जंगलों में बसे गांव वर्षों तक मुख्यधारा से दूर रहे। गांवों तक पहुँचने के लिए कभी पगडंडी, कभी नदी का उफान और कभी पहाड़ी रास्तों का सहारा लेना पड़ता था। पीएमजीएसवाई के तहत जब सड़कों का सर्वेक्षण शुरू हुआ, तो ग्रामीणों के बीच उम्मीद की एक नई किरण जागी। आज वही गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं। अब छोटे वाहनों से लेकर एम्बुलेंस और कृषि वाहन तक आराम से पहुंचते हैं। बरसात के मौसम में भी आवागमन बाधित नहीं होता। स्कूल, अस्पताल, बाजार और तहसील सबकी दूरी कम हो गई है। यह बदलाव सिर्फ यात्रा में समय घटने का नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता बढ़ने का है।

किसानों की बढ़ी आर्थिक रफ्तार—बाजार हुआ पास

पहले किसान खेतों से उपज को बैलगाड़ी या अपने सिर पर उठाकर ले जाते थे। कई बार फसल मंडी तक पहुंचते–पहुंचते खराब भी हो जाती थी। नई सड़कों का प्रभाव कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी रहा, जिसमें ट्रैक्टर, पिकअप, मिनी ट्रक अब गांव तक पहुंच रहे हैं। धान, कोदो–कुटकी, मक्का, सब्जियां और लघु वनोपज आसानी से मंडी पहुंच रही हैं। परिवहन लागत कम होने से अब किसानों की बचत बढ़ी है। खरीदी समय पर होने से किसानों की आय में स्थायी वृद्धि हुई है। आज किसान गर्व से कहते हैं कि सड़क आई, तो बाजार भी हमारे गांव आ गया।

स्वास्थ्य सेवाओं में हुआ बड़ा सुधार

पहले बीमार व्यक्ति को अस्पताल तक लाने में कई घंटे लग जाते थे। पहले एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती थी। पर अब स्थिति बदल चुकी है और 108 एम्बुलेंस सीधे घर तक पहुंच रही है, गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित संस्थागत प्रसव सुनिश्चित हुआ, टीकाकरण, पोषण व स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी आई, गंभीर मरीजों को समय पर जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। सड़क निर्माण से अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और मोबाइल मेडिकल यूनिट की पहुँच आसान और सुविधाजनक हो गया है।

शिक्षा के दरवाजे खुले—ड्रॉपआउट में आया कमी

पहले दूरस्थ गांवों के बच्चे बारिश में स्कूल नहीं जा पाते थे। कई बच्चे पहाड़ी रास्तों से डरकर पढ़ाई छोड़ देते थे। अब स्कूल वैन, बसें और ऑटो आसानी से पहुंचते हैं, अध्यापक समय पर स्कूल जा पा रहे हैं। छात्र उच्च शिक्षा के लिए कस्बों और शहरों तक आसानी से आ–जा रहे हैं, जिससे ड्रॉपआउट में कमी आया है। नया रोजगार और नई उम्मीदें

पीएमजीएसवाई निर्माण ने हजारों ग्रामीणों को रोजगार दिया। सड़क बनने से स्थानीय व्यवसाय, किराना, ढाबा, गैराज आदि, अब खुले परिवहन सेवाओं में वृद्धि हुई, जिससे निर्माण सामग्री की सप्लाई में स्थानीय लोगों को लाभ मिला। पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान हुई, जिससे स्थानीय गाइड और स्टे सुविधा बढ़ी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में यह एक स्थायी और मजबूत निवेश साबित हुआ है।

प्रशासन की सक्रियता—गुणवत्ता और गति दोनों पर जोर

जिले में सड़क निर्माण की निगरानी के लिए प्रशासन द्वारा लगातार निरीक्षण, गुणवत्ता परीक्षण और समयबद्ध समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं। मानक अनुसार रोड बेस, साइड ड्रेन और सीसी स्ट्रक्चर, पुल–पुलियों का मजबूत निर्माण, सड़क किनारे सुरक्षा चिन्ह व रिफ्लेक्टर, नागरिकों की शिकायतों का त्वरित समाधान मिल रहा है । इन सभी प्रयासों से पीएमजीएसवाई सड़कों की गुणवत्ता लंबे समय तक टिकाऊ बनी रह रही है।

भविष्य की कदम शत–प्रतिशत कनेक्टिविटी की ओर एडिशनल पैकेजों के तहत कई नए मार्ग स्वीकृत हुए हैं, जिनका निर्माण जारी है।

तू मेरी मैं तेरा... का गाना हम दोनों रिलीज

रोमांटिक फिल्मों में अपने अभिनय का जादू बिखेर चुके कार्तिक आर्यन अब एक और नई रोमांटिक कहानी के साथ दर्शकों का दिल जीतने की तैयारी में हैं। इस बार उनके साथ नज़र आएंगी अनन्या पांडे, जिनके साथ उनकी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म के टीज़र और टाइटल ट्रैक को पहले ही दर्शकों से जबरदस्त प्यार मिल चुका है, ऐसे में दर्शकों का उत्साह और बढ़ाने के लिए मेकर्स ने दूसरा गाना 'हम दोनोंझ् रिलीज कर दिया है। शानदार आवाज़ों के मालिक विशाल ददलानी और शेखर रवजियानी द्वारा गाया गया यह ट्रैक रिलीज़ होते ही चर्चा में आ गया है। 'हम दोनों एक ऐसा गीत है जो शुरुआत से अंत तक रोमांस, खुशी और ताजगी की भावना से भरपूर है। 3 मिनट 40 सेकंड का यह गाना खूबसूरत लोकेशन्स में फिल्माया गया है, जो हर फ्रेम को पोस्टकार्ड जैसा आकर्षक बनाता है। लेकिन असली

आकर्षण कार्तिक और अनन्या की जोड़ी है दोनों की ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री इतनी सहज और खूबसूरत है कि गाना देखते ही मुस्कान अपने आप चेहरे पर आ जाती है। गाने को सारेगामा के यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया है और कुछ ही समय में इसे शानदार प्रतिक्रिया मिलने लगी है। दर्शक न सिर्फ संगीत की तारीफ कर रहे हैं बल्कि कार्तिक– अनन्या की जोड़ी को भी खूब सराह रहे हैं। समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, और मेकर्स को पूरी उम्मीद है कि कार्तिक और अनन्या की यह ताज़गी भरी जोड़ी क्रिसमस वीकेंड पर लोगों को थिएटर्स तक खींच लाएगी।

पहली ओडीआई सेंचुरी के बाद घरेलू क्रिकेट खेलेंगे यशस्वी जायसवाल

नई दिल्ली। यशस्वी जायसवाल सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी नॉकआउट के लिए मुंबई टीम में शामिल होंगे। जायसवाल ने आयुष महात्रे की जगह ली है जो इंडिया अंडर–19 टीम को लीड करेंगे। नॉकआउट स्टेज 9 दिसंबर को पुणे में शुरू होगा। मुंबई ने लीग स्टेज में अच्छे परफॉर्मेंस के बाद नॉकआउट के लिए क्वालिफाई किया है। मुंबई के चीफ सिलेक्टर संजय पाटिल ने रविवार को टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, उन्होंने आज दोपहर मुझसे बात की और बताया कि वह रटअळ नॉकआउट में मुंबई के लिए खेलने के लिए अवेलेबल हैं। वह 11 दिसंबर को टीम में शामिल होंगे।

आयुष महात्रे की लेंगे जगह

पाटिल ने कन्फर्म किया कि जायसवाल युवा ओपनर आयुष महात्रे की जगह लेंगे, जो इस महीने के आखिर में दुबई में होने वाले व19 एशिया कप में इंडिया अंडर–19 टीम को लीड करेंगे। रटअळ नॉक–आउट के लिए मुंबई की टीम में यह एकमात्र बदलाव होगा। महात्रे ने लीग स्टेज में दो सेंचुरी लगाई थीं।

सुपर—4 में पहुंची मुंबई

सोमवार को लखनऊ में ओडिशा के खिलाफ मुंबई के आखिरी लीग गेम में खेलने के बाद इंडिया अंडर–19 कैंप के लिए रवाना होंगे। टूर्नामेंट का नॉक–आउट स्टेज 'सुपर 4' फॉर्मेट में खेला जाएगा। मुंबई अपने नॉक–आउट मैच 12, 14 और 16 दिसंबर को खेलेगी। इवेंट का फाइनल 18 दिसंबर को खेला जाएगा। टीम 10 दिसंबर को पुणे के लिए रवाना होगी।

रोहित ने भी जताई है इच्छा

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, रोहित शर्मा रटअळ नॉक–आउट में मुंबई के लिए खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत के पूर्व कप्तान ने अभी तक टउअ को टूर्नामेंट के लिए अपनी अवेलेबिलिटी कन्फर्म नहीं की है। डिफेंडिंग चैंपियन अभी एलीट ग्रुप अ में 20 पॉइंट्स के साथ टॉप पर है।

कृति खरबंदा की हिट लिस्ट में है भव्य पीरियड ड्रामा से लेकर सानिया मिर्ज़ा की बायोपिक

अपनी खूबसूरती और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कृति खरबंदा अब ऐसे किरदारों की तलाश में हैं, जो उन्हें एक नए, गहरे स्तर पर चुनौती दें। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि वह आगे किस तरह के रोल या जॉनर एक्सप्लोर करना चाहेंगी, तो उनका जवाब महत्वाकांक्षी होने के साथ–साथ अतीत की मधुर स्मृतियों और परफॉर्मेंस के प्रति जुनून से भरा हुआ था। उन्होंने बताया कि भविष्य में वे ऐतिहासिक ऐपिक फिल्मों जैसे मुगल–ए–आज़म, बाजीराव मस्तानी और राम लीला जैसी कालजयी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहेंगी, जहाँ भव्यता के साथ–साथ इमोशन और दमदार किरदारों की दुनिया हो। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं मुगल–ए–आज़म और बाजीराव मस्तानी जैसी किसी फिल्म में काम करना पसंद करूंगी। हाउसफुल 4 के जरिए मैंने उस दुनिया की थोड़ी झलक देखी थी, लेकिन अब मैं पूरी तरह से ऐसा किरदार निभाना चाहती हूँ,

पंकज त्रिपाठी की सीरीज परफेक्ट फैमिली का यूट्यूब पर दिखा जलवा

बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी अपने अभिनय से हमेशा दर्शकों का दिल जीतते आए हैं। खासतौर पर नेटफ्लिक्स की सीरीज मिर्जापुर में कालीन भैया के किरदार के लिए उन्हें खूब सराहना मिली है। अब पंकज ने निर्माता के क्षेत्र में सफल शुरुआत की है। पिछले महीने ही उनकी कॉमेडी–ड्रामा वेब सीरीज परफेक्ट फैमिली को सीधे यूट्यूब पर जारी किया गया था। इस सीरीज ने कुछ ही दिनों में दर्शकों का भरपूर प्यार हासिल कर लिया है, जिससे अभिनेता काफी गदगद हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, वेब सीरीज परफेक्ट फैमिली पिछले महीने 27 नवंबर को यूट्यूब पर स्ट्रीम हुई थी। कम समय में सीरीज को 20 लाख से ज्यादा व्यूज हासिल हो गए हैं। शो ने न सिर्फ दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई, बल्कि इसे समीक्षकों की जबरदस्त प्रशंसा हासिल हुई है। इसी प्यार के बदौलत परफेक्ट फैमिली को आईएमडीबी पर 9.2 की शानदार रेटिंग दी गई है। यह भारत की पहली लंबी अवधि वाली सीरीज है।

सीमित ओवरों की क्रिकेट में बल्लेबाजी क्रम को ज्यादा अहमियत

नई दिल्ली। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की बल्लेबाजी संयोजन में बदलाव करने की आदत अक्सर कड़ी जांच के घेरे में रही है, लेकिन उन्होंने कहा कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है और इस तरह से उन्होंने संकेत दिया कि वह अपने भरोसेमंद तरीकों पर कायम रहेंगे। भारतीय टीम के इस संयोजन के कारण प्रारंभिक बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई वनडे सीरीज में नंबर चार पर बल्लेबाजी करनी पड़ी, जबकि आलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की जगह पक्की नहीं रही।

बैटिंग ऑर्डर में बदलाव पर क्या कहा?

दरअसल, कोच गंभीर ने कहा कि मेरा मानना है कि वनडे प्रारूप में आपको पता होना चाहिए कि आप किस तरह से खेलना चाहते हैं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में प्रारंभिक बल्लेबाजों के संयोजन को छोड़कर बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में निश्चित रूप से आपके पास एक निश्चित बल्लेबाजी क्रम होना चाहिए, लेकिन सफेद गेंद के प्रारूप में इसे (बल्लेबाजी क्रम) बहुत ज्यादा महत्व दिया जाता है। अपनी बात को पुख्ता करने के लिए उन्होंने वाशिंगटन का उदाहरण दिया, जो प्रत्येक मैच में अलग–अलग भूमिका निभा रहा है।

गंभीर ने कहा कि आप उस खिलाड़ी की बात कर रहे हैं जिसने मैनचेस्टर में 100 और ओवल में 50 रन बनाए और जिसका टेस्ट मैचों में औसत 40 से ज्यादा है। कभी–कभी आपको संतुलन पर भी ध्यान देना होता है। मुझे पता है कि वाशिंगटन जैसे खिलाड़ी के लिए यह मुश्किल होता है, लेकिन फिर भी मुझे लगता है कि उसने तीसरे, पांचवें और आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अहम योगदान दिया है। गंभीर ने कहा कि वह इसी तरह के जज्बे का खिलाड़ी है और हम टीम में इसी तरह का खिलाड़ी चाहते हैं जो चेहरे पर मुस्कान के साथ टीम के लिए सब कुछ करने को तैयार हो।

एक नजर

सुमाड़ी में पेयजल संकट पर यूकेडी का धरना

रुद्रप्रयाग। सुमाड़ी भरदार क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या को लेकर रविवार को उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने एक दिवसीय धरना देकर सरकार, प्रशासन और जल संस्थान के खिलाफ तीखा विरोध जताया। धरना स्थल पर पहुंचे यूकेडी नेताओं ने आरोप लगाया कि सुमाड़ी और आसपास के इलाकों में पेयजल आपूर्ति अनियोजित रूप से होती है, जिससे आम जनता को महीनों से परेशानी झेलनी पड़ रही है। उनका कहना था कि गर्मियों में हालात और भी बदतर हो जाते हैं, लेकिन विभाग उदासीन बना हुआ है। रविवार को धरने को संबोधित करते हुए पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में कई स्थानों पर पेयजल लाइनों को आपदा में नुकसान पहुंचा था, लेकिन उन्हें आज तक दुरुस्त नहीं किया गया। शीतकाल में भी लोग हर दिन पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। यूकेडी ने चेतावनी दी कि यह धरना केवल चेतावनी स्वरूप है, और यदि शीघ्र आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो आंदोलन प्रदेश–व्यापी रूप ले सकता है। धरने में पूर्व केंद्रीय महामंत्री देवेंद्र चमोली, जिलाध्यक्ष सूरत सिंह झिक्वाण, जिला कार्यकारी अध्यक्ष सुबोध नोटियाल, जिला महामंत्री दीपक प्रकाश भट्ट, अजीत भंडारी, रवि राणा, विक्रम सिंह फर्स्वाण, उपेंद्र पंत, टुपर सिंह पंवार, विक्रम सिंह सजवाण सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पत्रकार कल्याण कोष में सदस्य नामित होने पर जताई खुशी

रुद्रप्रयाग। जनपद के पत्रकार लक्ष्मण सिंह नेगी को पत्रकार कल्याण कोष/मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के संचालन के लिए समिति में सदस्य नामित होने पर अनेक लोगों ने खुशी जताई है। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, पूर्व विधायक मनोज रावत, राज्य मंत्री चण्डी प्रसाद भट्ट, ऐश्वर्या रावत, क्षेत्र पंचायत प्रमुख पंकज शुक्ला, ज्येष्ठ प्रमुख राकेश नेगी, कनिष्ठ प्रमुख प्रदीप त्रिवेदी, नगर पंचायत अध्यक्ष कुब्जा धर्म्वाण, अगस्तमुनि राजेंद्र गोस्वामी, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता कुलदीप रावत, जिला पंचायत सदस्य प्रीति पुष्वाण, सम्पन्न नेगी, हर्षवर्धन काण्डपाल, गम्भीर बिष्ट, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनोद राणा, रीना बिष्ट, सुनीता बर्त्वाल, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश उनियाल, सभासद प्रदीप धर्म्वाण, बलवीर पंवार, पूजा देवी, सरला रावत, भाजपा चोपता मण्डल अध्यक्ष अर्जुन नेगी, महामंत्री दीपक नेगी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष त्रिलोचन भट्ट, कांग्रेस पूर्व युवा जिलाध्यक्ष कर्मवीर कुवर, प्रधान घिमतोली कविता नेगी, योगेन्द्र नेगी, रघुवीर सिंह नेगी, पूर्व प्रधान बसन्ती देवी, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य मगन सिंह नेगी, प्रदीप नेगी, कार्तिकेय मन्दिर समिति अध्यक्ष बिक्रम सिंह नेगी, लवीश राणा प्रवीन रावत, पंकज कप्रवाण, चन्दन नेगी सहित कई पत्रकार एवं जनप्रतिनिधियों ने खुशी जताई है।

किसान सभा के सम्मेलन में राजाराम सेमवाल चुने गए जिला मंत्री

रुद्रप्रयाग। अखिल भारतीय किसान सभा के दो दिवसीय सम्मेलन में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। वरिष्ठ नेता राजाराम सेमवाल को जिला मंत्री चुना गया जबकि आषाढ़ सिंह धिरवाण को जिलाध्यक्ष एवं दौलत सिंह रावत को जिला कोषाध्यक्ष चुना गया। इस मौके पर कई प्रस्ताव भी पारित किए गए। मुख्यालय स्थित काली कमली धर्मशाला में आयोजित अखिल भारतीय किसान सभा जनपद रुद्रप्रयाग के छठे जिला सम्मेलन के दूसरे दिन जंगली जानवरों के आतंक, अगस्त माह में जनपद में आई आपदा, मनरेगा और एनएच द्वारा लोगों के भवनों को नुकसान की भरपाई न किए जाने संबंधी प्रस्ताव पारित किए गए। इस मौके पर 21 सदस्यीय जिला कौंसिल और 9 सदस्यीय पदाधिकारी का चुनाव किया गया, जिसमें कौंसिल ने राजाराम सेमवाल को जिला मंत्री चुना। जबकि आषाढ़ सिंह धिरवाण को जिला अध्यक्ष, दौलत सिंह रावत को जिला कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा इंद्र लाल, सतबीर रावत, रोशन लाल को जिला उपाध्यक्ष, भरत भंडारी, दयाल सिंह, चन्द्रमोहन नेगी को जिला सहसचिव चुना गया।

जसपाल लाल, विजय सिंह, विक्रम लाल, सुंदर लाल, पीताम्बर दत्त उनियाल, प्रेम लाल, धीरज लाल, अरविंद पंवार को जिला कौंसिल का सदस्य चुना गया। शेष 5 स्थान रिक्त रखे गए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रांतीय महामंत्री गंगाधर नौटियाल ने कहा कि आगामी 28 और 29 दिसंबर को किसान सभा प्रदेश सम्मेलन स्थान डोईवाला देहरादून में आयोजित होगा। इसमें पूरे प्रदेश के प्रतिनिधि भाग लेंगे। जनपद से 19 प्रतिनिधि भाग लेंगे।

जलते अंगारों पर नाचे सिद्धबाबा, रोट का लगा भोग

श्री सिद्धबली मंदिर परिसर में चल रहे वार्षिक अनुष्ठान के अंतिम दिन जागरों के प्रभाव में आकर नाचते श्रद्धालु

श्री सिद्धबली मंदिर में जागर लगाते जगरी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में स्थित श्री सिद्धबली मंदिर परिसर में चल रहे तीन दिवसीय श्री सिद्धबली बाबा वार्षिक अनुष्ठान का रविवार को पूर्णाहूति के साथ संपन्न हो गया। अनुष्ठान के अंतिम दिन देवताओं आ आह्वान कर जागर लगाए गए। जागरों के दौरान श्रद्धालु देवताओं के प्रभाव में आकर दहकते अंगारों में नाचने लगे। जागर संपन्न होने के बाद सवा मन रोट का भोग लगाया गया। जिसे प्रसाद के रूप में वितरित किया गया।

रविवार को तीसरे दिन सुबह सिद्धबाबा का महाभिषेक किया गया। इसके उपरांत एकादश कुंडीय यज्ञ का भी पूर्णाहुति के साथ समापन किया गया। यज्ञ समापन के उपरांत श्री सिद्धबाबा के जागर शुरू हुए। 'अलेठी–पलेठी धौला उड्यारी जाग, मोड़ाखाल जाग, मलोठी भाबर मा जाग, सिद्धबली मंदिर मा सिद्धबाबा जाग, माता विमला मोहरी को जाग, राजा कुंवरपाल को जाग...' जैसे जागरों के धुन के बीच कई महिलाएं व पुरुष

श्री सिद्धबली मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय अनुष्ठान का हुआ समापन

'देवी–देवताओं' के प्रभाव में आकर नाचने लगी। मुख्य जागरी सर्वेंद्र कुकरेती के नेतृत्व में संपन्न हुए जागर में प्रशांत गौड़, मंगी लाल, तोता राम, राजे सिंह, राम सिंह, मोहन सिंह का सहयोग रहा। जागर सुनने के लिए मंदिर में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। इसके उपरांत बाबा को सवामन आटे से बने रोट का भोग लगाया गया। इस मौके पर लैसडौन विस के विधायक दिलीप सिंह रावत, मेला संरक्षक उद्योगपति अनिल कंसल, मंदिर समिति के अध्यक्ष डा.जेपी ध्यानी, महासचिव विवेक अग्रवाल, शिव प्रसाद पोखरियाल, शैलेश जोशी सहित कई अन्य मौजूद रहे।

बेहतर समाज निर्माण के लिए बच्चों को दें बेहतर संस्कार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः श्री सिद्धबली मंदिर के महंत दिलीप सिंह रावत ने कहा कि आज हर व्यक्ति अपना अधिकांश समय मोबाइल पर ही दे रहा है। अभिभावक भी अपने बच्चों को समय नहीं दे पा रहे हैं। जिससे बच्चे संस्कारों को ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं। कहा कि बेहतर समाज निर्माण के लिए अभिभावकों को अपने बच्चों को बेहतर संस्कार देने चाहिए।

सिद्धबली महोत्सव के तीसरे दिन आयाजित भजन संख्या कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महंत दिलीप सिंह रावत ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी पहचान है। लेकिन, आज इस संस्कृति को संरक्षित करने की आवश्यकता है। कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति आगे बढ़े इसके लिए बच्चों व युवाओं को अपने दादा–दादी, नाना–नानी व अन्य बुजुर्गों के साथ बैठना चाहिए।

कहा कि आज परिवार एक साथ नहीं हो पा रहा है। माता–पिता व बच्चे एक साथ बैठक बात तक नहीं कर पा रहे हैं।

कहा कि हमें घर से एकता का भाव शुरु करना होगा। कहा कि जिसने अपने परिवार को कभी समय नहीं दिया वह कभी सफल नहीं हो सकते। इसका सबसे बड़ा असर बच्चों पर पड़ रहा है। यही कारण है कि बच्चे आत्महत्या जैसा कदम उठा रहे हैं।

बद्रीनाथ धाम के वेद पाठ रविंद्र प्रसाद भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड देव भूमि हैं। गरुड़ जी ने बद्रीनाथ में तीन हजार वर्षों तक कठिन तपस्या की। जिसके बाद उन्हें भगवान का वाहन होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जो बदीनाथ का स्मरण करता है उसके जीवन से समस्त पाप दूर हो जाते हैं।

चंद्रभागा तिराहे पर स्कूटी में आग से फैली अफरा–तफरी

ऋषिकेश। चंद्रभागा तिराहे पर रविवार सुबह एक मैकेनिक की दुकान के बाहर खड़े स्कूटर में अचानक आग लग गई। आसपास के लोगों ने पानी और रेत फेंक कर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन इस बीच स्कूटर का इंजन जलकर राख हो गया।

यह घटना सुबह करीब नौ बजे की है। तिराहे पर बाइक रिपेयरिंग की दुकान के कर्मचारी रोजाना की तरह काम में जुटे थे। इसी दौरान अचानक एक स्कूटर में आग लग गई। स्कूटर जलते देख आसपास मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई। पड़ोसी दुकानदारों ने पानी और रेत फेंककर किसी तरह से आग पर काबू पाया।

पहाड़ में जंगली जानवरों की दहशत, ऑनलाइन होगी पढ़ाई

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः पौड़ी जिले के कुछ क्षेत्रों में कोरोनाकाल के बाद अब गुलदार की दहशत के चलते पढ़ाई ऑनलाइन करने की नौबत आ गई है। शिक्षा विभाग ने गुलदार के डर से जिले के 55 स्कूल मंगलवार तक बंद रखने का निर्णय लिया है। हालांकि विभाग ने बच्चों की पढ़ाई को प्रभावित होने से बचाने के लिए उक्त स्कूलों को कक्षाएं ऑनलाइन संचालित करने के निर्देश दिए हैंपौड़ी के सटे चवथ ग्रामसभा में बीते गुरुवार को गुलदार ने युवक को मार डाला था। साथ ही राजकीय प्राथमिक विद्यालय ढ्ढली के पास गुलदार की सक्रियता बढ़ने से शिक्षा विभाग ने क्षेत्र के 55 स्कूल बंद करने का फैसला लिया। इसके तहत जिले के संकुल बाडा, चरधार, ढांढरी के ग्रामीण क्षेत्रों के सभी स्कूल मंगलवार तक बंद करने के आदेश दिए गए हैं। उपशिक्षाधिकारी आनंद ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए शिक्षण कार्य ऑनलाइन माध्यम से जारी रखा जाएगा। वन विभाग की रिपोर्ट और जंगली जानवरों की सक्रियता को देखते हुए जिलाधिकारी स्वाति एस.भदौरिया ने जिलेभर के स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों के समय में अस्थायी परिवर्तन किया है। शनिवार को जिलाधिकारी की ओर से जारी आदेश के अनुसार जिले में स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र सुबह सवा नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक ही संचालित किए जा सकेंगे। डीएम ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को आदेश का कड़ाई से पालन कराने को कहा है।

मार्ग निर्माण के लिए 14 दिसंबर को निकलेगी रैली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः लालढांग–चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए धरने पर डटे लोगों ने 14 दिसंबर को आक्रोश रैली निकालने का निर्णय लिया है। कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। रैली चिलरखाल से झंडाचौक तक निकाली जाएगी।

चिलरखाल वन चौकी के समीप लोगों का धरना 86 वें दिन भी जारी रहा। धरने पर डटे लोगों ने कहा कि उनके आंदोलन को करीब 86 दिन हो चुके हैं। लेकिन, अब तक मार्ग निर्माण की कोई सुध नहीं ली गई है।

कहा कि लालढांग-चिलरखाल निर्माण से ही क्षेत्र का बेहतर विकास होगा। वर्तमान में लोगों को देहरादून जाने के लिए उत्तर प्रदेश से होकर जाना पड़ता है। यही यह मार्ग बनता है तो लोगों को अपने राज्य में ही राजधानी जाने का रास्ता मिल जाएगा। साथ ही इससे कण्वाश्रम के विकास को भी गति मिलेगी।

कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी मार्ग की अनदेखी होने से लोगों में रोष व्याप्त है। वहीं, लोगों ने कोटद्वार कालागढ़–रामनगर मार्ग बंद होने पर भी रोष व्यक्त किया। कहा कि रास्तों को बंद करना एक तानाशाही है। जिसे किसी भी हाल में बर्दाशत नहीं किया जाएगा। इस मौके पर प्रवीन थापा, महेंद्र सिंह रावत,भारत सिंह गुसाई,जगदीश मेहरा, उम्मेद सिंह भंडारी,गणेश धुलिया ,हेमा नेगी, पुष्पा देवी, दीपा अधिकारी, माला अधिकारी आदि मौजूद रहे।

पौड़ी के तमलाग में शुरु हुआ ऐतिहासिक मोरी मेला

पौड़ी। गगवाडस्यूं घाटी के तमलाग गांव में रविवार से मोरी मेला शुरू हो गया। यह मेला 12 साल बाद आयोजित किया जाता है। 6 महीने तक चलने वाले इस मेले में बड़ी संख्या में प्रवासी ग्रामीण भी जुट रहे हैं। मेले में 6 महीने तक पांडव नृत्य के साथ ही विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। रविवार को ग्रामीण मेले में काली दास को सम्मान पूर्वक मन्दिर मे लेकर आये। इसके बाद मुख्य अतिथि विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी ने मेले का विधिवत उद्घाटन किया। रविवार को गगवाडस्यूं घाटी के तमलाग गांव में रविवार से मोरी मेला शुरू हो गया। इस दौरान ग्रामीण कालीदास को सम्मान पूर्वक मंदिर में लाए। इसके बाद माता कुंती को न्यौता देकर मंदिर तक लाया गया। जिसके बाद मंडाण लगाकर मेले की विधिवत शुरुआत हुई। 6 महीने तक चलने वाला यह मेला हर साल 12 में आयोजित किया जाता है। मेले में 6 महीने तक पांडव नृत्य के साथ ही विभन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इस दौरान तमलाग गांव के मध्य स्थित भैरव मंदिर के चौक में प्रतिदिन ढोल सागर से पांडव को अवतरित किया जाएगा।

मेले में गणेश पूजन के साथ ही देवप्रयाग तक पैदल यात्रा भी की जाएगी। गेंडी वध, दो पेड़ गांव लाए जाने सहित अन्य पारंपरिक विधियों का भी विधि–विधान से आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला, ब्लाक प्रमुख अस्मिता नेगी, मोरी मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष सुबोध नैथानी, मीडिया प्रभारी प्रदीप रावत, नवीन सिंह नेगी, दीपक रावत आदि शामिल रहे।

लाखबीर सिंह लक्खा की आवाज का जादू, झूमे लोग

कोटद्वार के श्री सिद्धबली मंदिर में भजनों की प्रस्तुति देते भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा

सिद्धबली मंदिर में भजन संख्या के दौरान उमड़ी भीड़

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः श्री सिद्धबली बाबा वार्षिक अनुष्ठान महोत्सव के अंतिम दिन भजन गायक लाखबीर सिंह लक्खा की आवाज का जादू देने को मिला। उनकी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान मनमोहक झांकियां भी प्रस्तुत की गई।

मंदिर परिसर में स्थित मैला मैदान में आयोजित भजन संध्या का शुभारंभ गणेश स्तुति से किया गया। इसके उपरांत लखबीर सिंह लक्खा ने हनुमान चालीसा का पाठ किया।हनुमान चालीसा के बाद भगवान राम नाम का गुणगान किया गया गया। कार्यकम को आगे बढ़ाते हुअ लखबीर सिंह लक्खा ने ' 'मंगल भवन अमंगल हारी..., 'माता सीता के प्यारे प्रभु राम के दुलारे हनुमान..., 'सुबह शाम चारों और, गूंजे जय जयकार...,' बजरंगबली के दर पे, झुके सब संसार.. 'तेरा नाम बड़ा प्यारा है प्रभु.., 'हनुमान तुम्हारा क्या कहना...', 'मेरे मन मंदिर में राम बसे...', सहित अन्य भजनों की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। श्रद्धालु देर शाम तक भजन गायब के भजनों पर झूमते हुए नजर आए। इस दौरान भजनों के साथ मनमोहक झांकियां भी प्रस्तुत की गई। मंदिर का पूरा मैदान भगवान राम–नाम के जयकारों से गूंज उठा।

31वीं वाहिनी पीएसी ने जीता हैंडबॉल–बास्केटबॉल का उदघाटन मैच

नई टिहरी। पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय (पीटीसी) नरेंद्रनगर में उत्तराखंड द्वितीय प्रादेशिक अंतर्जनपदीय वाहिनी पुलिस हैंडबॉल क्लस्टर–25 की बास्केटबॉल एवं हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में छह जिलों की पुलिस टीमों सहित पीएसी, आईआरबी और पीटीसी की कुल 12 टीमें भाग ले रही हैं। रविवार को प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, नियमों के पालन और स्पोर्ट्समैनशिप के साथ प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। पीटीसी के निदेशक अनंत शंकर ताकवाले ने बताया कि प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाली टीमें आगामी 14 जनवरी को दार्जिलिंग में आयोजित होने वाली ऑल इंडिया पुलिस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। उद्घाटन मैच हैंडबॉल में 31 पीएसी और आईआरबी द्वितीय के बीच खेला गया, जिसमें 31 पीएसी ने 18–14 से जीत दर्ज की। दूसरा मैच पीटीसी नरेंद्रनगर और चंपावत के बीच हुआ, जिसमें पीटीसी ने 15–3 से मुकाबला जीता। बास्केटबॉल में पहला मैच आईआरबी प्रथम और 31 वाहिनी पीएसी के बीच हुआ, जिसमें पीएसी ने 13–2 से जीत हासिल की। दूसरा मैच 40 वाहिनी पीएसी और 46 वाहिनी पीएसी के बीच खेला गया, जिसमें 46 वाहिनी पीएसी ने 39–37 से रोमांचक जीत दर्ज की।

20 मीटर वॉक रेस में सूरज ने जीता पदक

श्रीनगर गढ़वाल। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की 20 मीटर वाक रेस में सूरज ने रजत पदक हासिल किया है। सूरज के कोच विकास शाह ने बताया कि राजस्थान में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में कोचिंग कर रहे बनारस विवि के बीए प्रथम वर्ष के छात्र सूरज ने वाक रेस में रजत पदक हासिल किया है।

पत्थर गिरने से वाहन चालक घायल

पौड़ी। थाना क्षेत्र के तहत एक व्यक्ति के ऊपर पहाड़ी से पत्थर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया है। थाना सतपुली प्रभारी जगमोहन रमोला ने बताया कि घटना रविवार सुबह करीब पौने 10 बजे की है। ग्राम ओडल निवासी रविंद्र सिंह 36 पुत्र जगत सिंह रैंतपुर से सतपुली आ रहा था। इस दौरान पहाड़ी से अचानक पत्थर गिर गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पुलिस टीम में शामिल रियाज अहमद और ग्रामीणों की मदद से प्राथमिक उपचार के बाद हॉस्पिटल भिजवाया गया। चोट गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।

गढ़वाल विवि के छात्रों को मिलेगा बड़ा मौका

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विवि के 15 इनोवेटिव छात्रों का चयन आईआईटी बॉम्बे के एंटरप्रेन्योरशिप सेल (ई–सेल) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित ई–समिट के लिए हुआ है। इन छात्रों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने में विवि के रिसर्च एवं इनक्यूबेशन विंग्स से मजबूत मेंटरशिप मिली, जिससे उनका आत्मविश्वास और प्रोजेक्ट क्वालिटी दोनों निखरे। रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल (आरडीसी) के निदेशक प्रो. हेमवती नंदन ने बताया कि आईआईटी बॉम्बे का ई–समिट एशिया के सबसे बड़े छात्र–संचालित बिजनेस कॉन्क्लेव में गिना जाता है, जहाँ उभरते उद्यमियों, निवेशकों, वेंचर कैपिटलिस्ट और उद्योग विशेषज्ञों का संगम होता है। इस समिट में एनईसी जैसी राष्ट्रीय प्रतियोगिताएँ, वर्कशॉप और उच्च स्तरीय स्पीकर सेशन शामिल हैं, जो छात्रों में एंटरप्रेन्योरशिप की भावना को बढ़ावा देते हैं। ऐसी प्रतिष्ठित गतिविधियों में भागीदारी से गढ़वाल विवि के छात्रों को उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ नेटवर्किंग का अवसर मिलेगा और वे राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर सकेंगे। विवि के टेक्नोलॉजी प्री–इनक्यूबेशन सेल के कोऑर्डिनेटर डॉ. दिगार सिंह, डॉ. रोहित महर, डॉ. भास्करन और डॉ. वरुण बर्थवाल ने चयनित छात्रों को रणनीतिक और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। छात्रों के चयन पर कुलपति प्रो. श्री प्रकाश सिंह, कुलसचिव प्रो. राकेश कुमार ढोडी, वित्त अधिकारी डॉ. संजय ध्यानी और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओ.पी. गुसाईं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी छात्रों को शुभकामनाएँ दीं।

पुरानी पेंशन बहाली को कीर्तिनगर से धारी देवी तक निकाली पद यात्रा

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा उत्तराखंड के बैनर तले पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कर्मचारियों ने रविवार को कीर्तिनगर रामलीला मैदान से सिद्धपीठ धारी देवी मंदिर तक पदयात्रा निकाली।पदयात्रा में कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाल करने एवं नई पेंशन योजना का बहिष्कार करने की मांग उठाई। धारी देवी मंदिर पहुंचकर कर्मचारियों ने मां धारी देवी के समक्ष पेंशन बहाली को लेकर अर्जी लगाई और पूजा–अर्चना की। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विपिन सिंह रावत ने कहा कि पदयात्रा का उद्देश्य सरकार तक पुरानी पेंशन बहाली की आवाज को और मजबूती से पहुंचाना है। टिहरी जनपद अध्यक्ष राजीव उनियाल ने कहा कि यह वर्षों पुरानी मांग है, जिसके समर्थन में प्रदेशभर में जनजागरूकता और आंदोलन जारी हैं। शिक्षक मनिंद्र लड़ोला ने कहा कि विधायक और सांसदों को तो एक बार का कार्यकाल पूरा करने पर भी पेंशन मिल जाती है,

सिख समुदाय का कांग्रेस नेता के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकेश। सिख समुदाय के लोगों ने रविवार को कांग्रेस नेता के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत पर सिख समुदाय के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाया। रविवार को माजरीग्रांट चौक पर सिख समाज के लोग एकत्रित हुए। उन्होंने प्रतीकात्मक पुतले के साथ कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत के खिलाफ प्रदर्शन किया। सिख समाज से जुड़े राजकुमार राज ने कहा कि पूर्व कैबिनेट मंत्री द्वारा बीते रोज सिख समुदाय के प्रति अभद्र टिप्पणी की गई, जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है। कहा कि सिख समुदाय सम्मान, सेवा और भाईचारे की पहचान है और किसी भी प्रकार का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस नेता को तत्काल सार्वजनिक माफी मांगी जानी

चाहिए। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। जसविंदर सिंह डाली ने कहा कि यह बयान केवल सिख समाज पर नहीं, बल्कि प्रदेश की सामाजिक सद्भावना पर सीधा हमला है। हमारी पहचान सेवा और बलिदान की है,इसलिए अपमानजनक भाषा को हम किसी भी रूप में स्वीकार नहीं कर सकते।

तामा की तमोली..गाने पर जमकर झूमे मेलार्थी

नई टिहरी। त्रिवेणी कौथिग की छठी सांस्कृतिक संध्या में लोक गायक गुसाईं बंधु (पदम और रवि गुसाईं) ने शानदार प्रस्तुतियों से मन मोहा। वहीं प्रख्यात ढोलवादक उत्तम दास ने एक साथ ढोल–दमाऊं बजाकर उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन किया। महोत्सव में गढ़वाली कवि संदीप छिलबट ने शानदार चुटकुलों से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। बीती देर शाम को बौराड़ी स्टेडियम में आयोजित त्रिवेणी कौथिग की सांस्कृतिक संध्या का पूर्व जिला पंचायत सदस्य दर्शनी रावत, समाजसेवी सुषमा उनियाल ने शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाने चाहिए। अगले साल इस महोत्सव को और भव्य रूप देने की अपील की।

नरेंद्रनगर महाविद्यालय में जल्द खुलेगा यूओयू का अध्ययन केंद्र

नई टिहरी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) ने धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय में अपना 137वां अध्ययन केंद्र स्थापित करने के लिए समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू पर यूओयू की ओर से कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी और महाविद्यालय की ओर से प्राचार्य प्रो. प्रणीता नंद ने हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह के दौरान कुलपति प्रो. लोहनी ने कहा कि नया अध्ययन केंद्र न केवल क्षेत्र में उच्च शिक्षा की पहुंच को सुदृढ़ करेगा, बल्कि शिक्षार्थियों को डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, शैक्षणिक मार्गदर्शन और नवाचार आधारित सीखने के अवसर भी उपलब्ध कराएगा। उन्होंने इसे विद्यार्थियों, नौकरीपेशा व्यक्तियों, महिलाओं और दूरस्थ क्षेत्रों के शिक्षार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं लचीली शिक्षा प्रदान करने की दिशा में मील का पत्थर बताया। साथ ही कहा कि विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों के लिए विशेष पाठ्यक्रम संचालित करने की भी योजना बना रहा है। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. प्रणीता नंद ने इसे संस्थान के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि महाविद्यालय की मजबूत आधारभूत संरचना से यूओयू के 112 से अधिक पाठ्यक्रमों का लाभ स्थानीय समुदाय को सहजता से मिल सकेगा। इस अवसर पर यूओयू के कुलसचिव डॉ. खेमराज भट्ट, क्षेत्रीय निदेशक अनिल कंडारी, महाविद्यालय के एमओयू समन्वयक डॉ. देवेंद्र कुमार सहित शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने प्रतिभाग किया।

संक्षिप्त समाचार

मां चंडिका राजराजेश्वरी की पूजा की तैयारियां तेज

चमोली। चमोली जिले के पोखरी विकासखंड के चमेठी स्थित मां चंडिका राजराजेश्वरी मंदिर के फर्श निर्माण, पूजा–पाठ और प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों को लेकर रविवार को ग्राम पंचायत सिनाऊं में ग्रामीणों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में ब्रह्मगुरु दीपक कुंवर और मंदिर समिति के अध्यक्ष बीरेंद्र राणा मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में ब्रह्मगुरु दीपक कुँवर ने बताया कि मां चंडिका राजराजेश्वरी का मायका सिनाऊं में स्थित है। इसलिए फर्श निर्माण पूर्ण होने के बाद प्रथम पूजा, फर्श की प्राण प्रतिष्ठा और माता का श्रृंगार इसी गांव में विधि–विधान के साथ किया जाएगा। ग्रामीणों ने इस निर्णय का सर्वसम्मति से समर्थन किया और आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया। मंदिर समिति के अध्यक्ष बीरेंद्र राणा ने कहा कि फर्श निर्माण से लेकर पूजा–पाठ और बनियाथ तक का समस्त कार्य ग्रामीणों के आपसी सहयोग से पूरा किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि मां चंडिका के आशीर्वाद से सभी कार्य सफलतापूर्वक संपन्न होंगे। ग्राम प्रधान संतोषी देवी ने कहा कि ग्रामवासी पूरे मनोयोग से फर्श निर्माण और पूजा–पाठ में सहयोग देंगे। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष कुंवर चौधरी, तेजपाल रावत, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद पंत, संदीप पंत, हरिश खाली सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सिराणा गांव में 11 दिसंबर को गैंड़ा मेला

चमोली। आदिबदरी तहसील के सिराणा गांव में पांडव लीला मंचन जारी है। वहीं आगामी 11 दिसंबर को गैंडा मेले का आयोजन होगा। यह जानकारी प्रधान सिराणा अवतार सिंह ने दी। बताया कि क्षेत्र में पड़ रही सर्दी के बाद भी बड़ी संख्या में दर्शक पांडव लीला मंचन को आ रहे हैं। अध्यक्ष नंदुली देवी आज आठ दिसंबर को भीम सैन गददा धारण , नौ दिसंबर गददा युद्ध ,10 दिसंबर को पांडव स्नान तथा 11 दिसंबर को मेले का समापन गैड़ा वध उपरांत सामूहिक भोज के साथ संपन्न होगा। वही विख के दूरस्थ ग्राम पंचायत पुनगांव के पूर्व प्रधान रेवत नेगी ने बताया कि आगामी 20 दिसंबर से उनके गांव में भी पौराणिक पांडव लीला का मंचन हो रहा है, जिसकी तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं।

कर्णप्रयाग में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेश का स्वागत

चमोली। रविवार को कर्णप्रयाग एवं गौचर के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने बैठक आयोजित कर नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष सुरेश डिमरी एवं नगर निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत में निर्वाचित प्रतिनिधियों का सम्मान एवं अभिनंदन किया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष एवं विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी मुकेश नेगी द्वारा आगामी 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में कर्णप्रयाग ब्लॉक/नगर एवं गौचर नगरपालिका के सभी निर्वाचित कांग्रेस के प्रतिनिधिगणों ने अपने विचार एवं सुझाव रखे। इस मौके पर गौतम मिंगवाल, महेश खंडूड़ी, सुभाष रावत, जगदीश कनवासी, हरीश चौहान, वीरेंद्र मिंगवाल, संजय रावत, देवराज रावत, पुष्कर रावत, मनमोहन, लक्ष्मण बिष्ट, दिनेश रावत, अंशी देवी, रामेश्वरी मणी, संदीप नेगी, विनोद कनवासी, शिवम आदि उपस्थित रहे।

फर्जी गिफ्ट डीड से हड़प ली संपत्ति, सब रजिस्ट्रार ने कराया केस

देहरादून। नोएडा के दंपति ने फर्जी गिफ्ट डीड के जरिए के बेस कीमती संपत्ति अपने नाम करा ली। जिलाधिकारी कार्यालय में शिकायत हुई तो जांच में मामला खुल गया। आरोपी दंपति के खिलाफ देहरादून के सब रजिस्ट्रार ने शहर कोतवाली में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने तथ्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। सब–रजिस्ट्रार तृतीय रिया वर्मा ने शहर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। बताया कि एआईजी निबंधन और जिलाधिकारी कार्यालय के निर्देश पर कुछ विक्रय पत्रों की जांच की गई। जांच में सामने आया कि ग्रेटर नोएडा के सेक्टर बीटा–एक स्थित टाटा स्टील ऑफिसर्स एन्क्लेव निवासी राजीव अग्रवाल और उनकी पत्नी पूजा अग्रवाल ने देहरादून रजिस्ट्री कार्यालय में गिफ्ट डीड से दो संपत्ति अपने नाम कराई। इसके लिए गिफ्ट डीड का अधिकार गाजियाबाद के सब रजिस्ट्रार कार्यालय द्वितीय में पंजीकृत होना बताया गया है। जब विभाग ने शिकायत पर गाजियाबाद से जारी अटार्नी की जांच की तो फर्जीवाड़ा खुला। जांच में पुष्टि हुई कि राजीव अग्रवाल को संपत्ति उपहार कराने का कोई अधिकार दिया ही नहीं था। शहर कोतवाल प्रदीप पंत ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी राजीव अग्रवाल और पूजा अग्रवाल के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने किया बागेश्वर में विकास परियोजनाओं का निरीक्षण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को बागेश्वर में सरयू नदी तट पर चल रहे विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि सभी कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण किए जाएं। मुख्यमंत्री ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं और सरकार की योजनाओं पर फीडबैक प्राप्त किया। मुख्यमंत्री बागेश्वर भ्रमण के दौरान बैडमिंटन इंडोर स्टेडियम पहुंचे, जहाँ उन्होंने खिलाड़ियों के साथ बैडमिंटन खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रशिक्षण सुविधाओं, खेल उपकरणों एवं संसाधनों की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए कहा कि राज्य सरकार खेल अवसंरचना को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप विकसित करने के लिए लगातार प्रयासरत है, ताकि उत्तराखण्ड के खिलाड़ी राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। मुख्यमंत्री धामी इसके बाद बागनाथ मंदिर पहुंचे, जहाँ उन्होंने विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर प्रदेश की सुख–समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया और अपने विचार साझा किए। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दिवस देश के वीर सैनिकों की अदम्य वीरता, बलिदान और उत्कृष्ट सेवाओं को स्मरण करने का अवसर है। इस दौरान सैनिक कल्याण विभाग ने मुख्यमंत्री को टोकन फ्लैग एवं लापेल पिन लगाया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे, दर्जा राज्यमंत्री शिव सिंह बिष्ट, भूपेश उपाध्याय, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, विधायक पार्वती दास, विधायक सुरेश गडिया, पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल, अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल, एसडीएम प्रियंका रानी, ललित मोहन तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बंजारावाला में बंद घर के ताले तोड़कर गहने चोरी

देहरादून। भागीरथीपुरम, बंजारावाला स्थित बंद मकान के ताले तोड़कर गहने चुरा लिए गए। गांव गई महिला को किरायेदारों से चोरी का पता लगा। वापस लौटकर पुलिस को तहरीर दी। शनिवार को पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर पटेलनगर सीबीएस अधिकारी ने बताया कि भागीरथीपुरम निवासी वंदना अवस्थी ने तहरीर दी। बताया कि 22 नवंबर को वह परिवार समेत अपने गांव चली गईं। इस दौरान मकान में अपने निवास के हिस्से में ताला लगा दिया।

किरायेदारों ने बीते दिनों देखा तो मकान पर लगा ताला टूटा था और घर के कमरों में सामान अस्त व्यस्त पड़ा था। चोर घर से कान की दो सोने के लटकन, तीन जोडी चांदी की पायल, दो सोने की नाक की बालियां, एक सोने की अंगूठी चुराकर ले गए। पता लगाने पर उन्होंने गांव से पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दी। हाल में वापस लौटी तो पुलिस को लिखित तहरीर दी।

उत्तराखंड द्वितीय प्रादेशिक वाहिनी पुलिस क्लस्टर–25 में 12 टीमों ने किया प्रतिभाग

देहरादून। नरेंद्र नगर। नरेंद्र नगर पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय जनपद टिहरी गढ़वाल में उत्तराखंड द्वितीय प्रादेशिक अंतर्जनपदीय वाहिनी पुलिस हैंडबॉल क्लस्टर–25 की बास्केटबॉल एवं हैंडबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल के कर कमलों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि जिला अधिकारी नितिका खंडेलवाल द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में उच्च कोटि का अनुशासन बनाए रखते हुए खेल के सभी नियमों का पालन कर पूर्ण निष्ठा एवं स्पोर्ट्समैन स्पीड के साथ प्रतिभाग करेंगे तथा बेस्ट परफॉर्मेंस देंगे। आयोजन सचिव निदेशक पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय नरेंद्र नगर अनंत शंकर ताकवाले द्वारा मुख्य अतिथि के साथ खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर उनको शुभकामनाएं प्रेषित की उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय प्रतियोगिता में छह जनपद, 3 पीएसी वाहिनी, 2 आईआरबी वाहिनी एवं एक पीटीसी सहित कुल 12 टीमों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है प्रतियोगिता हैंडबॉल एवं बास्केटबॉल खेल में टीमों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। इसका समापन 9 दिसंबर 2025 को किया जाना है। प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाली टीमों द्वारा ऑल इंडिया पुलिस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जाएगा। हैंडबॉल और बास्केटबॉल दोनों प्रतियोगिताओं का ऑल इंडिया पुलिस प्रतियोगिता 14 जनवरी 2025 को दार्जिलिंग में संपन्न की जाएगी। इस अवसर पर तहसीलदार अयोध्या प्रसाद उनियाल, अपर पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल जोतराम जोशी, उप प्रधानाचार्य पीटीसी महाविद्यालय प्रकाश चंद्र, अस्मिता मंमगाई, अखिलेश कुमार, मुकेश शर्मा, डॉ स्वर्णीजंली, स्वास्थ्य विभाग की टीम आदि।

पर्यटन गांव सारी में टूर मैनेजर का 15 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

रुद्रप्रयाग। ऊखीमठ स्थित पर्यटन गांव सारी में 15 दिवसीय टूर मैनेजर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हो गया। उत्तराखंड पर्यटन प्रायोजित टूर मैनेजर प्रशिक्षण में पर्यटन से जुड़े विभिन्न जानकारियां दी गई।

ऊखीमठ ब्लॉक के पर्यटन गांव सारी में शनिवार को पंद्रह दिवसीय टूर मैनेजर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शुभारंभ हुआ। हेवेन हिल्स कॉटेज में किए गए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पंच केदार होटल एवं होम स्टे एसोसिएशन ऊखीमठ अध्यक्ष डा. कैलाश पुष्पवान ने प्रतिभागियों को पर्यटन क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों और संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। उत्तराखंड पर्यटन के अलावा निदेशक पूनम चंद ने ऑनलाइन के जरिए कार्यक्रम में शामिल होकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। पंच केदार होटल एवं होम स्टे एसोसिएशन के उपाध्यक्ष नरेंद्र रावत ने भी स्थानीय पर्यटन विकास पर अपनी बात रखी।

प्रशिक्षण टूरिज्म हॉस्पिटेलिटी स्किल काउंसिल द्वारा इसके प्रशिक्षण भागीदार विद्या सोसायटी के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। इस अवसर पर 40 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण का संचालन नरेश रावत द्वारा किया जा रहा है, जो पर्यटन व आतिथ्य क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखते हैं। उन्होंने ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को पेशेवर टूर मैनेजर के रूप में तैयार कर उन्हें रोजगार एवं उद्यमिता के नए अवसर प्रदान करना है। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

न्यू टिहरी प्रेस क्लब की आमसभा और चुनाव 21 को

नई टिहरी। न्यू टिहरी प्रेस क्लब की वार्षिक आम सभा और चुनाव 21 दिसंबर होंगे। यह निर्णय शुक्रवार को क्लब की कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष शशि भूषण भट्ट ने की। बैठक में आगामी चुनाव से जुड़ी तैयारियों, आयोजन की रूपरेखा सहित कुल छह प्रस्तावों पर चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से 21 दिसंबर की तिथि को अंतिम रूप दिया। यह जानकारी देते हुए प्रेस क्लब के महामंत्री गोविंद पुंडीर ने दी। बैठक में कार्यकारिणी सदस्य विक्रम बिष्ट, देवेंद्र दुमोगा, तेजराम सेमवाल, गंगा थपलियाल, अनुराग उनियाल, विजय दास, मधुसूदन बहुगुणा सहित कई वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने किया 108 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

– कपकोट में उमड़ा जनसैलाब, मुख्यमंत्री धामी के स्वागत में जुटी भारी भीड़

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज अपने बागेश्वर दौरे के दूसरे दिन, केदारेश्वर मैदान, कपकोट में आयोजित जन सम्मेलन में प्रतिभाग किया, जहाँ उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने उत्साहपूर्वक मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने 108 करोड़ रुपये की 42 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। जिसमें लगभग 62 करोड़ की 24 योजनाओं का लोकार्पण तथा 45.95 करोड़ की 18 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूली बच्चों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिसने वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि जनता की विशाल उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार विकास के सही मार्ग पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गरीब वर्ग, महिलाओं और युवाओं के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने ह्यमानस खंड मालाह्न परियोजना के तहत धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की प्रगति की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शीतकालीन पर्यटन की नई पहल से प्रदेश में वर्षभर पर्यटन गतिविधियाँ बढ़ेंगी और स्थानीय लोगों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा। उन्होंने कहा कि सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्यरत है और वन डिस्ट्रिक्ट्झ्टू प्रोडक्ट के तहत बागेश्वर की पारंपरिक ताम्र शिल्प को राष्ट्रीय पहचान मिल रही है। सरयू एवं गोमती नदियों के संरक्षण कार्य निरंतर प्रगति पर हैं, वहीं बागेश्वर रेल लाइन का सर्वेक्षण भी पूर्ण हो चुका है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि गरुड़ अस्पताल का उच्चीकरण किया जाएगा, जिससे स्थानीय जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। इसके साथ ही विभिन्न स्वायत सहकारिता एवं स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता के चेक प्रदान किए गए । जिसमे संकल्प स्वायत सहकारिता समूह सीएलएफ (हर्षिला) को 3 करोड़ 23 लाख, ऊर्जा स्वायत सहकारिता सीएलएफ को 22 लाख 50 हजार,एनआरएलएम की संवाद महिला स्वयं सहायता समूह और जय गोलू देवता स्वयं सहायता समूह को 5 –5 लाख के चेक प्रदान किए गए।कार्यक्रम स्थल पर कृषि, उद्यान, रेशम, सहकारिता, ग्राम्य विकास, महिला सशक्तिकरण, डेयरी, पशुपालन एवं उद्योग विभाग सहित विभिन्न विभागों ने स्टॉल स्थापित किए,

जौनसार क्षेत्र में दौड़ रहे ओवरलोड वाहन

विकासनगर। जौनसार के हर रूट पर ओवरलोड वाहन दौड़ रहे हैं। इनमें मानक से कई गुना अधिक सवारियां बिठाई जा रही हैं। ग्रामीण गाड़ियों की छतों पर जोखिम भरा सफर कर रहे हैं। विकासनगर से ही लोग छोटे वाहनों में मानक से अधिक बैठकर कर जा रहे हैं। एआरटीओ की चेकिंग भी यहां पर बेअसर है। ओवरलोडिंग के कारण जनजाति क्षेत्र में आए दिन हादसे होते रहते हैं। इनमें कई लोग जान गवां चुके हैं। इसके बावजूद इन हादसों से सबक लेने को न यात्री तैयार हैं और न प्रशासन। स्थानीय लोगों द्वारा हर रूट पर निजी व रोडवेज बसों के संचालन की मांग पर भी शासन ध्यान नहीं दे रहा है। जौनसार बावर के रूटों पर आवागमन के लिए पर्याप्त साधन न होना बसों और जीपों में ओवरलोडिंग का प्रमुख कारण है। शनिवार को सुबह से विकासनगर से जौनसार के रूट पर जाने वाले छोटे यात्री वाहनो में जमकर ओवर लोडिंग होती रही। भ्कालसी– बैराटखाई, कालसी–चकराता, साहिया–क्वानू, साहिया–समाल्टा, चकराता–लाखामंडल, कालसी– नागथात, चकराता–मसूरी मोटर मार्ग पर ओवरलोडिग की समस्या ज्यादा है। हादसों के बाद परिवहन विभाग और तहसील प्रशासन कुछ दिन कार्रवाई करते हैं। ओवरलोड वाहनों के चालान काटे जाते हैं। कुछ दिनों में प्रशासन की सक्रियता कम होने के बाद वाहन चालक पुराने ढर्रे पर आ जाते हैं। बीते पांच वर्षों के सड़क हादसों के आंकड़ों पर गौर करें तो ओवरलोडिंग से हुए हादसों में 70 से अधिक लोग असमय मौत हो चुकी है। इसके बावजूद ओवरलोडिंग रोकने के लिए प्रशासन व एआरटीओ गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। वहीं स्थानीय लोगों मोहन लाल, सतपाल राय, अमर सिंह चौहान, नारायण सिंह और वीरेंद्र सिंह का कहना है कि पर्याप्त बसों का संचालन नहीं होने से लोगों का वाहनों की छतों पर बैठकर सफर करना मजबूरी है। लोग प्रशासन से हर रूट पर बसों के संचालन करने की मांग करते हैं, लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। उधर, उप जिलाधिकारी प्रेमलाल ने कहा कि ओवरलोडिंग पर रोक लगाने के लिए परिवहन विभाग को चालान करने के लिए निर्देशित किया जाएगा।

नामी होटल के कमरे से लाखों के जेवर चोरी

देहरादून। राजपुर रोड स्थित एक प्रतिष्ठित होटल में शादी समारोह में शामिल होने आए कोटद्वार के एक परिवार के कमरे से लाखों रुपये के सोने के जेवर चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर राजपुर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस होटल के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। आशीष कुकरेती निवासी देवी रोड, पदमपुर, कोटद्वार अपनी पत्नी अनामिका और बेटे के साथ चचेरी बहन की शादी में शामिल होने के लिए तीन दिसंबर को देहरादून आए थे। वे राजपुर रोड पर जाखन स्थित होटल में ठहरे थे। आशीष ने बताया कि चार दिसंबर को सुबह हल्दी समारोह के बाद दोपहर करीब तीन बजे उनकी पत्नी कमरे में लौटीं। उन्होंने अपनी सोने की ज्वैलरी (नथ, कंगन, मांगटीका आदि) उतारकर एक पाउच में रखकर बेड पर छोड़ दिया। तहरीर के मुताबिक दोपहर करीब 3 :45 बजे होटल का हाउसकीपिंग स्टाफ कमरे में सफाई के लिए आया। इस दौरान आशीष कुर्सी पर बैठे–बैठे सो गए और पत्नी दूसरे कमरे में चली गईं। रात करीब 8 :30 बजे परिवार शादी समारोह में चला गया। देर रात एक बजे जब वे वापस लौटे और पत्नी ने ज्वैलरी का पाउच चेक किया वह गायब मिला।

नागरिक मंच की बैठक में बिजली व पानी के बिल माफ करने की मांग

देहरादून। नई टिहरी। नागरिक मंच ने नगर की समस्याओं को लेकर बौराड़ी मिलन केंद्र में मासिक बैठक आयोजित की। जिसमें उन्होंने कहा कि हनुमंच राव कमेटी की सिफारिशों को लागू कर बांध विस्थापित शहर नई टिहरी में बिजली व पानी के बिलों को माफ किया जाना चाहिए। कहा कि जल संस्थान वसूली कर पानी के बिलों के लिए परेशान कर रहा है। जिसके लिए ठोस कदम उठाये जायेंगे। चाहे इसके लिए हड़ताल ही क्यों न करनी पड़े। रविवार को आयोजित बैठक में पीडी नौटियाल ने कहा कि रीह–घुत्तु पेयजल योजना कार्यप्रगति की जानकारी सरकार महकमों से ली जाय। उन्होंने नगर पालिका के बेहतर कामों को सराहा। डा यूएस नेगी ने कहा कि नई टिहरी में मेला मई के महीने में किया जाना चाहिए। श्रीपाल सिंह ने बैठक में कहा कि पानीके बिलों में गड़बड़ी की जा रही है। जो ठीक नहीं है। इसके साथ ही नगर की आंतिरक सड़कों ठीक किया जाना चाहिए। चिंतामणी थपलियाल ने कहा कि सभी विभागों को जिला मुख्यालय में लाया जाना चाहिए। जिससे आम लोगों की परेशानियां कम होंगी। हनुमंत राव कमेटी की सिफारिशों को लागू करने की मांग भी की। भगवान सिंह ने कहा कि जिला मुख्यालय पर मेडिकल कालेज का निर्माण जल्द हो। इसके लिए सभी लोग एक जुट हों। गुरूदत्त डोभाल ने कहा कि बौराड़ी में खाता–खतौनी की नकल सेक्टर वाईज बनाई जाय। शादी विवाह व अन्य समारोह में डीजे 10 बजे के बाद बंद करने भी मांग की गई। रीह–घुत्तु से पीने का पानी देने की मांग की गई, पेयजल योजनाओं के पुर्नगठन का विरोध भी किया गया।

महेंद्र भंडारी आईएसआरटी के प्रदेश अध्यक्ष, अभय नेगी महामंत्री बने

देहरादून। इंडियन सोसाइटी ऑफ रेडियोग्राफर एंड टेक्नोलॉजिस्ट (आईएसआरटी) के स्टेट चैप्टर का रविवार को गठन हो गया। रविवार को रिस्पना पुल स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने यहां पदाधिकारी नियुक्त किए। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय काउंसिल सदस्य पंकज सिंह, नेशनल सेक्रेट्री (ऑपरेशन) श्रीकुमार आर. चंद्रन और चंडीगढ़ के जनरल सेक्रेटरी गोपी डोभाल शामिल रहे। दून मेडिकल कॉलेज के आरएसओ एवं सीपीआरओ महेंद्र भंडारी को प्रदेश अध्यक्ष और टिहरी जिला अस्पताल के वरिष्ठ रेडियोग्राफर अभय नेगी को महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनंत राम उनियाल, उपाध्यक्ष विनोद तोमर, कोषाध्यक्ष बीनू परिहार, उपाध्यक्ष (ऑपरेशन) लुकमान चौधरी, उपाध्यक्ष (प्रोफेशनल डेवलपमेंट) दिव्या चौहान, उपाध्यक्ष (पब्लिक रिलेशन) संदीप राणा, उपाध्यक्ष (वेलफेयर) प्रशांत जुयाल, उपाध्यक्ष (कोऑर्डिनेशन) रोहित रंजन और स्टेट प्रवक्ता जसलीन कौर बनाए गए। अतिथियों ने कहा कि रेडियोग्राफर चिकित्सा व्यवस्था की रीढ़ हैं, जो पर्दे के पीछे रहकर इलाज की प्रक्रिया को सुरक्षित और प्रभावी बनाते हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक तेजी से बदल रही है, ऐसे में रेडियोग्राफरों को निरंतर सीखते रहना होगा।

बेटे की बीमारी का झांसा दे परिचित बन ठगे एक लाख

देहरादून। बेटे की बीमारी का झांसा दे परिचित बता साइबर ठगों ने एक लाख रुपये ठग लिए। चमनपुरी, निरंजनपुर निवासी दिनेश सिंह असवाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते 29 नवंबर को उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को उनका करीबी बताते हुए कहा कि उसका बेटा गंभीर रूप से बीमार है। उसने कहा कि उसके गूगल पे से डॉक्टर को पैसे नहीं जा रहे हैं। इसलिए वह दिनेश सिंह को पैसे भेज रहा है। जिसे वे डॉक्टर को ट्रांसफर कर दें। आरोपी ने दिनेश सिंह के मोबाइल पर पहले 55,000 रुपये भेजने का एक फर्जी मैसेज भेजा। दिनेश सिंह ने मैसेज देखकर विश्वास कर लिया और अपने खाते से 55,000 रुपये बताए अनुसार ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद ठग ने दोबारा 45,000 रुपये का फर्जी मैसेज भेजा। पीड़ित ने यह रकम भी ट्रांसफर कर दी। खाता चेक करने पर पता चला कि उनके खाते में कोई पैसा नहीं आया था, बल्कि उनके ही खाते से कुल एक लाख रुपये कट गए हैं।

साहिया मोटर मार्ग पर एक घंटे तक जाम में फंसे रहे श्रद्धालुओं के वाहन

गांव से श्रद्धालु देवता की आगवानी करने के लिए आ रहे हैं, जिससे साहिया–क्वानू मोटर मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। बड़ी संख्या में लोगों के इस मार्ग से

विकासनगर। छत्रधारी चालदा महासू महाराज के प्रवास यात्रा में शामिल होने के लिए इन दिनों लोग बड़ी संख्या में दसऊ जा रहे हैं, जिसके चलते साहिया बाजार पर यातायात का दवाब बढ़ गया है। रविवार को दसऊमंदिर जाने वालों की भीड़ उमड़ने से साहिया–क्वानू मार्ग पर लंबा जाम लग गया। दोनों और वाहनों की लंबी कतारें लग गई। एक घंटे तक लोग जाम में ही फंसे रहे। स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया। जनजातीय क्षेत्र जौनसार–बावर के दसऊ गांव स्थित छत्रधारी चालदा महासू महाराज मंदिर से प्रवास यात्रा सोमवार से शुरू होनी है। इस धार्मिक अनुष्ठान में हिस्सा लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग दसऊ जा रहे हैं। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश के पश्मी आवाजाही करने के बावजूद प्रशासन की ओर से यातायात को नियंत्रित करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है। रविवार सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को दसऊ मंदिर में जाने का सिलसिला शुरु हो गया था, जिससे मार्ग पर लंबा जाम लग गया। लोगों का कहना है कि धार्मिक अनुष्ठान के लिए विकासनगर, देहरादून से यात्री बसों का संचालन किया जाना चाहिए, जिससे छोटे वाहनो की संख्या नियंत्रित की जा सके। उधर, एसडीएम प्रेम लाल ने बताया कि सोमवार से साहिया बाजार, साहिया–क्वानू मोटर मार्ग और साहिया–समाल्टा मोटर मार्ग पर यातायात सुचारु रखने के लिए पुलिस के जवान तैनात किए जाएंगे।

बलिदान दिवस के 350 साला पर गुरुद्वारा पटेलनगर में लगा कीर्तन दरबार

देहरादून, सिख पंथ के नवें गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान के तीन सौ पचास साल पूरे होने पर शनिवार रात्रि व रविवार प्रातः को गुरुद्वारा पटेलनगर में कीर्तन दरबार सजाया गया। बाबा बकाला से पधारे कीर्तनिये गुरप्रीत सिंह ने गुरु तेगबहादुर जी के महान बलिदान पर शबद कीर्तन गा कर संगतों को निहाल किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने गुरु तेगबहादुर जी के बलिदान को दुनिया के तमाम बलिदानों में सर्वोच्च बताते हुए कहा कि पूरी दुनिया में ऐसा बलिदान जो कौम और देश की रक्षा के लिए स्वेच्छा से दिया गया हो कहीं उदाहरण नहीं मिलता। धस्माना ने कहा कि औरंगजेब के अत्याचारों के खिलाफ गुरु तेगबहादुर ने जिस साहस के साथ अपने धर्म पर अडिग रहते हुए धर्मपरिवर्तन व तमाम प्रलोभनों के प्रस्ताव को ठुकराया और धर्मरक्षा के लिए अपना शीश कटवाना मंजूर किया। ऐसा कर उन्होंने अपने सिख पंथ में गुरु अर्जन देव जी के पद चिन्हों पर चलते हुए आने वाली पीढ़ियों को त्याग और बलिदान की प्रेरणा दी। जिस पर चलते हुए दसवें गुरु गुरुगोबिंद सिंह जी ने अपने चार पुत्र व अपना सर्वस्व देश के लिए और कौम की रक्षा के लिए नौछावर कर दिया। धस्माना ने कहा कि खालसा पंथ पूरी दुनिया में इकलौता पंथ है जहां अपने शहीदों के शहीदी दिवस को कोई मातम नहीं बल्कि पर्व के रूप में मनाया जाता है। धर्म की रक्षा के लिए किसी की जान लेने से ज्यादा महत्व धर्म की रक्षा के लिए हंसते हंसते अपने प्राणों का बलिदान देना इससे ज्यादा महान कोई कार्य नहीं हो सकता। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी पटेलनगर के प्रधान हर मोहिंदर सिंह, जसविंदर सिंह ने धस्माना को गुरु तेगबहादुर जी के बलिदान के 350 साल का स्मृति चिन्ह भेंट किया।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने काले झंडे लहराए, गिरफ्तार

बागेश्वर। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष कमलेश गढ़िया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के आगमन पर विरोध करते हुए काले झंडे लहराए। जिलाध्यक्ष कमलेश गड़िया ने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और संचार की व्यवस्था को लेकर उन्होंने विरोध जताया। पुलिस द्वारा कमलेश गढ़िया, प्रेम दानू, जगदीश गढ़िया, पंकज कुमार, कैलाश गोस्वामी, देवेंद्र दानू, कमलेश कपकोटी, राहुल बाराकोटी, सहित उनके कई अन्य साथियों को गिरफ्तार कर थाने में रखा गया। सीएम का दो दिवसीय दौरा विफल रहाः गिरीश गरुड़। सीएम धामी के दौरे पर गरुड़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश कोरंगा ने कहा कि सीएम धामी का कार्यक्रम पूरी तरह विफल रहा। प्रशासन ने आम जनता और जमीनी किसानों को मुख्यमंत्री से दूर रखा, काफी जद्दोजहद के बाद विपक्ष के प्रतिनिधियों मिलने का समय मिला।

विभिन्न संगठनों ने सीएम को सौंपा ज्ञापनों का पुलिंदा

बागेश्वर। मुख्यमंत्री धामी के दौरे से उन लोगों को भी उम्मीद जगी है, जिनके कार्य लंबे समय से लंबित हैं। इसी उम्मीद में लोग सुबह से जिला मुख्यालय पहुंच गए। अपराह्न दो बजे के बाद उनकी मुराद पूरी हुई। उन्होंने सीएम को ज्ञापन सौंपे। शनिवार को सीएम को अल्मोड़ा मैग्नेसाइट फैक्ट्री के कर्मचारियों ने फैक्ट्री को शीघ्र शुरू करने और कर्मचारियों के बकाया वेतन भुगतान की मांग की। कम से कम पांच करोड़ का आर्थिक पैकेज देने की मांग उठाई। रेडक्रॉस के पूर्व चेयरमैन संजय साह जगाती ने महिला अस्पताल, पुल निर्माण, हेलीपैड और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की मांग की। क्षेत्र पंचायत सदस्य जोशी पालड़ी फते सिंह करायत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी महेंद्र सिंह करायत नाम पर मोटर मार्ग के निर्माण में शेष बचे कार्य को पूर्ण करने, कराला पालड़ी स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को इंटर कॉलेज में उच्चीकृत करने की मांग की। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल ने नगर क्षेत्र के अंतर्गत व्यापार मंडल की बैठक और क्रियाकलापों हेतु भवन, व्यापारियों की सुरक्षा हेतु बीमा सुविधा, जिला अस्पताल की व्यवस्थाएं सुधारने की मांग की। कोविड के दौरान कार्यरत कर्मचारियों को प्रोत्साहन भत्ते का बकाया देने, हटाए कर्मचारियों को वापस लेने की मांग की। मांग करने वालों में प्रमोद मेहता, महेश खेतवाल, विवेक तिवारी, हरीश मलड़ा, नयन खेतवाल आदि मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338